₹ 10
www.kewalsachtimes.com
अक्टूबर 2024
KEWAL SACH
TIMES
A National Magazine
RNI NO.-BIHBIL/2011/49252, DAVP NO.-131729, POSTAL REG. NO.:-PS.-78
अलविदा...
रतन टाटा

जन-जन की आवाज है केवल सच

आत्म-निर्भर बनने वाले युवाओं को सपोर्ट करें

आपका छोटा सहयोग, हमें मजबूती प्रदान करेगा

www.kewalsach.com

www.kewalsachlive.in

-: सम्पर्क करें :-

पूर्वी अशोक नगर, रोड नं.-14, मकान संख्या-28/14,
कंकड़बाग, पटना (बिहार)-800020, मो०:-9431073769, 9308815605

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ

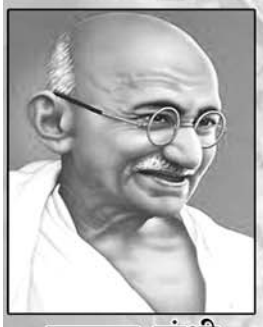

महात्मा गांधी
02 अक्टूबर 1869

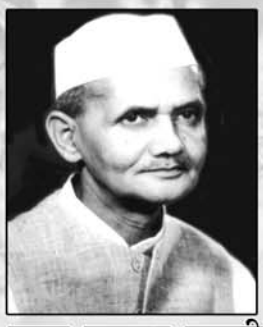

लाल बहादूर शास्त्री
02 अक्टूबर 1904

अभिजीत सावंत
07 अक्टूबर 1981

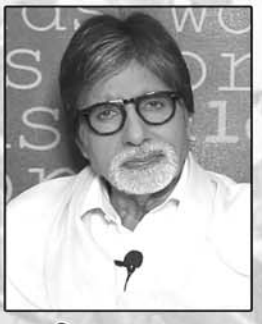

अमिताभ बच्चन
11 अक्टूबर 1942

गौतम गंभीर
14 अक्टूबर 1981

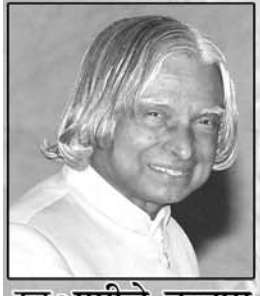

स्व० एपीजे कलाम
15 अक्टूबर 1931

नवीन पटनायक
16 अक्टूबर 1946

हेमा मालिनी
16 अक्टूबर 1948

अनिल कुंबले
17 अक्टूबर 1970

वृंदा करात
17 अक्टूबर 1947

सनी देवल
19 अक्टूबर 1956

नवजोत सिंह सिद्धू
20 अक्टूबर 1963

वीरेन्द्र सहवाग
20 अक्टूबर 1978

कादर खान
22 अक्टूबर 1932

परिनीति चोपड़ा
22 अक्टूबर 1988

सुनील भारती मित्तल
23 अक्टूबर 1957

प्रभाश राजू
23 अक्टूबर 1979

रवीना टंडन
26 अक्टूबर 1974

अनुराधा पौडवाल
27 अक्टूबर 1954

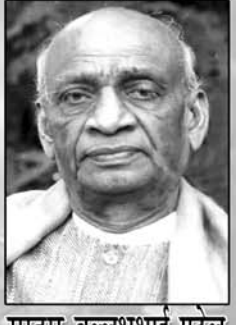

सरदार वल्लभभाई पटेल
31 अक्टूबर 1875

KEWAL SACH TIMES

A National Magazine

Regd. Office :-
East Ashok, Nagar, House No.-28/14, Road No.-14, kankarbagh, Patna- 8000 20 (Bihar) Mob.-09431073769,
E-mail :- kewalsach@gmail.com

Corporate Office:-
Vaishnavi Enclave, Second Floor, Flat No. 2B, Near-firing range, Bariatu Road, Ranchi- 834001
E-mail :- editor.kstimes@rediffmail.com

Delhi Office :-
Sanjay Kumar Sinha
A-68, 1st Floor, Nageshwar talla, Shastri Nagar, New Delhi-110052
Mob.- 09868700991, 09955077308
kewalsach_times@rediffmail.com

Kolkata Office :-
Ajeet Kumar Dube, 131 Chitranjan Avenue, Near- md. Ali Park, Kolkata- 700073 (West Bengal)
Mob.- 09433567880, 09339740757

ADVERTISEMENT RATES PER ISSUE

	AREA	FULL PAGE	HALF PAGE
COLOUR	Cover Page	3,00,000/-	N/A
	Back Page	1,00,000/-	65,000/-
	Back Inside	90,000/-	50,000/-
	Back Inner	80,000/-	50,000/-
	Middle	1,40,000/-	N/A
	Front Inside	90,000/-	50,000/-
	Front Inner	80,000/-	50,000/-

	AREA	FULL PAGE	HALF PAGE
B & W	Inner Page	60,000/-	40,000/-

1. एक साल के नियमित विज्ञापन पर पत्रिका के वेवसाइट **www.kewalsachtimes.com** के फ्रंट पर भी विज्ञापन निःशुल्क तथा आपका वेवसाइट से सीधा लिंक हो सकता है।
2. एक साल के नियमित विज्ञापन पर 10 प्रतिशत की रियायत।
3. आपके प्रोडक्ट या संगठन के प्रचार-प्रसार हेतु आलेख को उचित स्थान।
4. पत्रिका द्वारा सामाजिक कार्य में आपके संगठन/प्रोडक्ट का बैनर/फ्लैक्स को उचित स्थान देकर आपके संगठन का व्यापक प्रचार-प्रसार।
5. विज्ञापन का भुगतान चेक या आर.टी.जी.एस. से ही मान्य होगा।

महाप्रबंधक (विज्ञापन)

2024-29 झारखंड का कौन होगा मुख्यमंत्री

अपनी प्रतिक्रिया हमारे ई-मेल पर दें:- editor.kstimes@rediffmail.com

झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 की डुगडुगी बज चुकी है और सभी राजनीतिक दल के आका अपनी-अपनी पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए परिश्रम शुरू कर चुके हैं। एक तरफ झारखंड के आदिवासी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन तो दूसरी तरफ एनडीए है और दोनों के बीच सत्ता का शह-मात का खेल शुरू है। झारखंड की आदिवासी जनता की पहली पसंद JMM के हेमंत सोरेन हैं और ईडी की कार्रवाई की वजह से उनके प्रति प्रेम और भी बढ़ा है जबकि NDA में एक तरफ भाजपा तो दूसरी तरफ JDU के सरयू राय की राजनीति भी इस चुनाव में चर्चा का केन्द्र रहेगी। 2019 के विधानसभा चुनाव में BJP के मुख्यमंत्री रघुवर दास का मुकाबला पार्टी से अलग हटकर सरयू राय ने की थी जिसमें उन्हें सफलता मिली और BJP की सरकार नहीं बन पायी। नीतीश कुमार झारखंड में सरयू राय के सहारे बाजार बनाना चाहते हैं तो BJP पूर्व मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन के नाम पर कुछ बड़ा करना चाहते हैं जिसकी वजह से भाजपा के आदिवासी राजनेताओं में बड़ी नाराजगी है भले ही पार्टी कैडर की वजह से खुलकर मीडिया में नहीं बोलें लेकिन अंदरखाने 2024 का विधानसभा चुनाव मोदी-शाह के लिए आसान नहीं है वहीं प्रदेश में बढ़ते भ्रष्टाचार की वजह से JMM पर भी तलवार लटकता दिख रहा है।

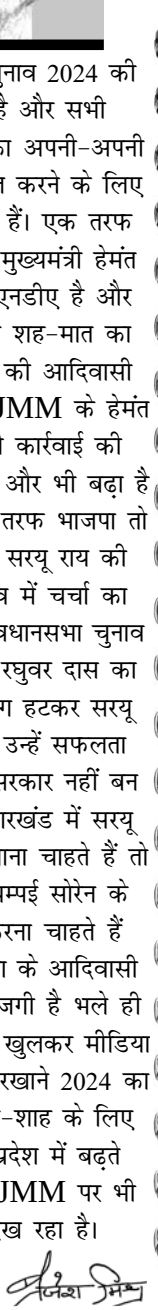

प्रकृति की गोद में बसी आदिवासियों का प्रदेश झारखंड अलग राज्य बनने के बाद भी आदिवासियो को सही न्याय दिलाने में असमर्थ साबित हो रहा है और 24 साल पहले अस्तित्व में आने के बाद भी कोई भी सरकार नियमित रूप में लगातार सरकार बनाने में कामयाब नहीं रही है। कभी BJP तो कभी JMM और तो कभी NDA तो फिर कभी INDIA गठबंधन की सरकार। कभी आदिवासी तो कभी गैर आदिवासी मुख्यमंत्री और 2024 में होने वाले चुनाव में सोरेन बनाम सोरेन होनी की प्रबल संभावना है। झारखंड में सरकार बनने के बाद कोयला का खेल पर विशेष ध्यान दिया जाता है तथा झारखंड की खनीज संपदा को कैसे सरकारी संरक्षण में लूटा जाये उसपर विशेष फोकस रहता है यह बंटवारे के बाद से ही देखा जा रहा है। आदिवासी समाज आज भी राजनीतिक दृष्टिकोण से परिपक्व नहीं बन पाया है और जिनके भीतर यह ज्ञान है वह भी आदिवासी होकर भी उनका वास्तविक कल्याण से कोसो दूर रखते हैं। ED ने जब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जेल भेजा और बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिलता देख चंपई सोरेन को मुख्यमंत्री का ताज सौंप दिया लेकिन जेल से बाहर आते ही चंपई सोरेन से मुख्यमंत्री की कुर्सी हेमंत सोरेन ने छीन ली जैसे बिहार में जीतन राम माँझी के साथ नीतीश कुमार ने किया था उसको ही पुनीावृति झारखंड में देखने को मिला। माँझी पर भी यह आरोप लगा था कि वह BJP के साथ है और चंपई सोरेन भी BJP के हाथ की कठपुतली बन चुके हैं जिसकी घड़बड़ाहट में चंपई सोरेन का ताज देकर छीन लिया गया। आज बदले की भावना में जल रहे चंपई सोरेन BJP की गोद में आ बैठे हैं और हेमंत को शिकस्त देने में पूरा ताकत झोंक देंगे लेकिन जहां JMM के हेंमत सोरेन CM के उम्मीदवार है और INDIA गठबंधन भी उनको CM चुनने को तैयार हैं लेकिन BJP एवं NDA में सबकुछ ठीक नहीं दिखता। गैर आदिवासी सरयू राय भी BJP से अलग होकर अपना दांव खेल चुके हैं और अब JDU के तीर के सहारे CM की कुर्सी हासिल करना चाहते हैं तो दूसरी ओर बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा और शिव शंकर उरांव भी इस प्रतियोगिता में किसी से पीछे नहीं हैं। और तो और चंपई सोरेन के BJP में आने के बाद उनकी भी CM की दावेदारी का मामला उठ सकता है बल्कि हेंमत के विरूद्ध चंपई को ही मुकाबले में खड़ा कर दिया जाये। 2024 के लोकसभा चुनाव में मोदी की स्पष्ट बहुमत वाली सरकार नहीं बन पाने के कारण विपक्ष जहां मजबूत दिख रहा है उससे ज्यादा परेशानी BJP के भीतर ही दिख रहा है। ED के जांच का राजनीति का हवाला देकर हेंमत सोरेन आदिवासी समाज के युवाओं में सहानुभूति बटोरने में कामयाब दिख रहे हैं और जिस प्रकार वर्त्तमान में विपक्षी गठबंधन की राजनीति को खेल देश में चल रहा है उसके बीच कोई बड़ा कारनामा हो जाये तो बड़ी बात नहीं होगी। JDU में सरयू राय के आने के बाद झारखंड में BJP का राजनीति धर्मसंकट बढ़ गया है और 2019 में CM रघुवर दास को हराकर सरयू राय ने यह साबित कर दिया था कि BJP के लिए झारखंड में सरयू राय कितना मायने रखता है, वैसे में NDA को बचाने के लिए कहीं सरयू राय को हीं CM बना दें और बिहार में BJP मुख्यमंत्री की कुर्सी हासिल करें क्योंकि बार-बार नीतीश कुमार हीं CM रहे उसके दाग को मिटाया जा सके। भ्रष्टाचार एवं आदिवासी समाज को राजनीति एवं अन्य क्षेत्रों में उचित हिस्सेदारी मिले इसकी कूटनीति भाजपा करेगी तो INDIA गठबंधन ने विपरित परिस्थिति में भी 5 साल सरकार चलाकर गठबंधन में कोई दरार नहीं है और हेंमत सोरेन ही उम्मीदवार हैं इसका हवाला देकर आदिवासी वोटरों को अपने पक्ष में गोलबंद करेगी परन्तु झारखंड की जनता ने प्रत्येक 5 साल पर सरकार बदलती आईं है इससे यह भी अनुमान लगाया जा रहा है NDA पूरी ताकत के साथ विधानसभा के चुनाव में 2024 के लोकसभा चुनाव में हार का भी बदला लेना चाहेगी। झारखंड का चुनाव में जहां INDIA गठबंधन का CM तय है वहीं NDA में अभी तक CM का चेहरा तय नहीं हो सका है। अब देखना होगा की झारखड की जनता किसको ताज सौंपती है।

KEWAL SACH TIMES

A National Magazine

वर्ष:- 14, अंक:- 160 माह:- अक्टूबर 2024 रू. 10/-

Editor

Brajesh Mishra 9431073769
6206889040
8340360961

editor.kstimes@rediffmail.com
kewalsach@gmail.com
kewalsach_times@rediffmail.com

Principal Editor

Arun Kumar Banka 7782053204
Nilendu Kumar Jha 9431810505

General Manager (H.R)

Triloki Nath Prasad 9308815605

General Manager (Advertisement)

Manish Kamaliya 6202340243
Poonam Jaiswal 9430000482

Joint Editor/Lay-out Editor

Amit Kumar 9905244479
amit.kewalsach@gmail.com

Legal Editor

Amitabh Ranjan Mishra 8873004350
S. N. Giri 9308454485

Asst. Editor

Mithilesh Kumar 9934021022
Sashi Ranjan Singh 9431253179
Rajeev Kumar Shukla 7488290565
Kamod Kumar Kanchan 8971844318

Sub. Editor

Arbind Mishra 6204617413
Prasun Pusakar 9430826922
Brajesh Sahay 7488696914

Bureau Chief

Sanket kumar Jha 7762089203
Sagar Kumar 9155378519

Bureau

Sridhar Pandey 9852168763
Sonu Kumar 8002647553

Photographer

Mukesh Kumar 9304377779

प्रदेश प्रभारी

दिल्ली हेड

संजय कुमार सिन्हा 9868700991

झारखण्ड हेड

ब्रजेश मिश्र (2) 7979769647
7654122344

पश्चिम बंगाल हेड

अजीत दुबे 9433567880
9339740757

मध्यप्रदेश हेड

अभिषेक पाठक 8109932505
8269322711

छत्तीसगढ़ हेड

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश हेड

निर्भय कुमार मिश्रा 9452127278

उत्तराखण्ड हेड

आवश्यकता है

महाराष्ट्र हेड

आवश्यकता है

गुजरात हेड

आवश्यकता है

आंध्र प्रदेश हेड

आवश्यकता है

राजस्थान हेड

आवश्यकता है

पंजाब हेड

आवश्यकता है

हरियाणा हेड

आवश्यकता है

राजस्थान हेड

आवश्यकता है

उड़ीसा हेड

आवश्यकता है

आसाम हेड

आवश्यकता है

हिमाचल हेड

आवश्यकता है

दिल्ली कार्यालय

केवल सच टाइम्स,
द्विभाषीय मासिक पत्रिका,
द्वारा- संजय कुमार सिन्हा
A-68, 1st Floor,
नागेश्वर तल्ला, शास्त्रीनगर, न्यू
दिल्ली-110052
मो०- 9868700991, 9431073769

पश्चिम बंगाल कार्यालय

केवल सच टाइम्स,
द्विभाषीय मासिक पत्रिका,
द्वारा- अजीत कुमार दुबे
131 चितरंजन एवेन्यू,
कोलकात्ता, पश्चिम बंगाल- 700073
मो०- 9433567880, 9339740757

झारखण्ड कार्यालय

केवल सच टाइम्स,
द्विभाषीय मासिक पत्रिका,
वैष्णवी इंक्लेव, द्वितीय त्तल,
फ्लैट नं- 2बी
नियर- फायरिंग रेंज
बरियातु रोड, राँची- 834001
मो०- 9308815605

मध्यप्रदेश कार्यालय

केवल सच टाइम्स,
द्विभाषीय मासिक पत्रिका,
द्वारा- अभिषेक कुमार पाठक
हाउस नं.-28, हरसिद्धि कैम्पस
खुशीपुर, चांबड़
भोपाल, मध्य प्रदेश- 462010
मो०- 8109932505,

विशेष प्रतिनिधी

भारती मिश्र 8521308428
बेंकटेश कुमार 8210023343

प्रकाशित आलेख पर आप अपना सुझाव एवं प्रतिक्रिया अवश्य दें।

केवल सच टाइम्स

द्विभाषीय मासिक पत्रिका

हमारा पता है

पूर्वी अशोक नगर, रोड नं.-14,
मकान संख्या:- 14/28, कंकड़बाग, पटना-800020 (बिहार)
सम्पर्क करें:- 9431073769, 8340360961

हमारा ई-मेल

editor.kstimes@rediffmail.com
kewalsach_times@rediffmail.com

सितम्बर 2024

डिस्को

मिश्रा जी,

मैं केवल सच टाइम्स पत्रिका को प्रतिमाह वेबसाइट पर निशुल्क पढ़ता हूं क्योंकि आपका संपादकीय बिना लाग-लपेट के बेबाक रूप से लिखा जाता है चाहे जिसको जितना बुरा लगा। सितम्बर 2024 अंक में ''**पुलिस-प्रशासन मिलकर करते हैं डिस्को**' झारखंड की सबसे बड़ी लूट पर जोरदार ढंग से प्रकाश डाला है कि किस प्रकार प्रदेश के खनीज संपदा को सुनियोजित ढ़ंग से लूटा जा रहा है। जंगल, पहाड़ और कोयला पर माफियाओं की नजर सदियों से रहा है और उसमें प्रशासन की मिलीभगत ने प्रकृति को संकट में डाल दिया है। बहुत सटीक व ज्वलंत संपादकीय।

● **प्रमोद पंडा, टावर चौक, देवघर, झा०**

चर्बी

संपादक महोदय,

भारत देश में धार्मिक राजनीति का महत्व सदियों पुराना है और यहां की जनता भी धर्म को सबसे ऊँचा मानती है। सितम्बर अंक 2024 में ''**जानवरों की चर्बी को लेकर सियासी घमासान**'' में तिरूपति मंदिर में नवैद्यम प्रसाद में जानवरों की चर्बी मिलायी जाती है की खबर आते ही देश भर में हिन्दुओं का आक्रोश बढ़ने लगा है और मंदिर प्रबंधन कमिटि को जिन्दा चबा जाना चाहती है कि किस प्रकार प्रसाद को भी राजनीतिक लाभ के लिए ऐसा किया जा रहा है। बहुत मार्मिक एवं निंदनीय और चिंतनीय खबर पढ़कर मन अशांत हो गया है। बहुत ही सटीक खबर को प्राथमिकता से छापने के लिए आभार।

● **गौरीशंकर यादव, रेलवे क्वार्टर, भोपाल, म०प्र०**

अन्दर के पन्नों में

20

धामाके से दहला प्रशांत विहार.....24

30

अध्यक्ष कौन

संपादक महोदय,

सितम्बर 2024 अंक में भारतीय राजनीति में सबसे बड़ी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पर प्रकाशित विकाश सिंह की खबर ''**भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन?**'' में विस्तार से खबर लिखा गया है और इसमें ई० संजय विनायक जोशी के विषय में भी फोकस करके लिखा गया है तथा अन्य कई लोगों के नाम की भी चर्चा है परन्तु जोशी के नाम को लेकर पार्टी एवं बाहर दोनों जगहों पर विचार चल रहा है की मोदी-शाह के रहते जोशी कैसे संभव हैं और संघ जोशी को ही फ्रंट पर क्यों लाना चाहता है। खबर काफी रोचक एवं जानकारीप्रद है। 2024 के चुनाव के नतीजे के बाद संघ का प्रभाव बढ़ गया है लेकिन अध्यक्ष बना पायेंगे, थोड़ा संशय लगता है।

● **कौशलेन्द्र पाण्डेय, लक्ष्मी नगर मॉकेट, दिल्ली**

सुझाव

संपादक महोदय,

बृजेन्द्र सिंह झाला की खबर ''**पॉक्सो एक्ट में क्या संशोधन चाहता है सुप्रीम कोर्ट, संसद को दिया सुझाव**'' में सुप्रीम कोर्ट को सुझाव वास्तव में बहुत बेहतर है और इस खबर के अनुसार इस पर संसद भवन में मजबूत कानून बनना चाहिए। पॉक्सो एक्ट की खबर और तिरूपति मंदिर के प्रसाद में चर्बी वाली खबर के साथ भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा जैसी खबरें भी काफी रोचक लगी। पॉक्सो एक्ट को बहुत प्रभावकारी बनाना चाहिए ताकि बच्चों का यौनाचार पर विराम लगे और उनको समय पर न्याय मिल सके। हाल के दिनों में ऐसी घटनाओं में काफी तेजी से इजाफा हो रहा है और न्यायिक प्रक्रिया में विलंब होने से असंतोष बढ़ रहा है। बढ़िया खबर लगा।

● **महेश सक्सेना, पाया न.-60, राजाबाजार, पटना**

महिला मुख्यमंत्री

मिश्रा जी,

अमित कुमार की खबर सितम्बर 2024 अंक के केवल सच टाइम्स में ''**अतिशी दिल्ली की तिसरी महिला मुख्यमंत्री**'' में शीला दीक्षित, सुषमा स्वराज और अब अतिशी का दिल्ली मुख्यमंत्री के ताज पर बढ़िया खबर को लिखा गया है। आप के मुख्यमंत्री अरबिन्द केजरीवाल ने पार्टी के अन्य पर भरोसा करने के बजाय एक महिला पर विश्वास करके अगले विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। लगातार दो बार आपार बहुमत से चुनकर आये केजरीवाल ने तीसरी बार स्पष्ट बहुमत से जीतने के बाद ही CM का ताज ग्रहण करेंगे की बात कहकर कार्यकत्ताओं का मनोबल बढ़ाया है। इस बार का चुनाव बहुत कठिन होगा आप के लिए।

●**प्रमेन्द्र कुमार सैनी, सरोजनी नगर, नई दिल्ली**

जनगणना

ब्रजेश जी,

केवल सच टाइम्स पत्रिका ज्वलंत मुद्दो को गंभीरता के साथ प्रकाशित करता है और सितम्बर 2024 अंक में आयुष यादव की खबर ''समय पर जनगणना क्यों जरूरी'' में सभी विषयों को बारीकी से रखा है तथा जनगणना के हर पहलुओं की जानकारी मिल सके। प्रति 10 वर्ष पर देश की जनगणना होती रही है लेकिन कोरोना संक्रमण की वजह से 2021 में यह संभव नहीं हो सका और 2024 के समाप्त होने के बाद इसकी संभावना बन रही है। लगभग 145 करोड़ की आबादी भारत देश की हो चुकी है और इस आबादी की वजह से विश्व को सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश भारत बन चुका है। जानकारीप्रद एवं सोचनीय खबर है। ऐसी ही जानकारी देते रहें।

● **प्रभुदयाल शंकर, बाबू बाजार, कोलकाता**

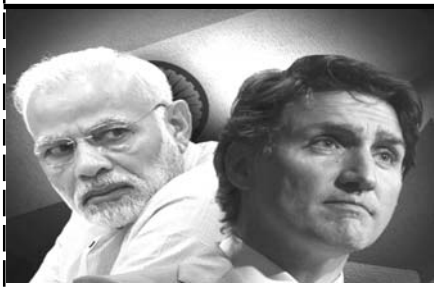

Trudeau says India violated ...40

श्री चन्द्र प्रकाश सिंह

प्रधान संरक्षक सह प्रबंध संपादक
'केवल सच' पत्रिका **एवं 'केवल सच टाइम्स'**
राष्ट्रीय संगठन मंत्री, राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक)
पूर्व निदेशक सदस्य, ओरियेंटल बैंक ऑफ कॉमर्स
09431016951, 09334110654

डॉ. सुनील कुमार

शिशु रोग विशेषज्ञ सह मुख्य संरक्षक
'केवल सच' पत्रिका
एवं 'केवल सच टाइम्स'
एन.सी.- 115, एसबीआई ऑफिसर्स कॉलोनी,
लोहिया नगर, कंकड़बाग, पटना- 800020
फोन- 0612/3504251

श्री सज्जन कुमार सुरेका

मुख्य संरक्षक
'केवल सच' पत्रिका **एवं 'केवल सच टाइम्स'**
डी- 402 राजेन्द्र विहार, फॉरेस्ट पार्क
भुवनेश्वर- 751009 मो-09437029875

सुधीर कुमार

मुख्य संरक्षक सह निदेशक ''**मगध इंटरनेशनल स्कूल**'' टेकारी
'' **केवल सच** '' पत्रिका **एवं** '' **केवल सच टाइम्स** ''
9060148110
sudhir4s14@gmail.com

कैलाश कुमार मौर्य

मुख्य संरक्षक
'केवल सच' पत्रिका **एवं 'केवल सच टाइम्स'**
व्यवसायी
पटना, बिहार
7360955555

एक नजर

संपादकीय व प्रधान कार्यालय:-

- पूर्वी अशोक नगर, रोड नं:-14, मकान संख्या:- 28/14, कंकड़बाग, पटना-800020 (बिहार)
  e-mail:- kewalsach@gmail.com,
  editor.kstimes@rediffmail.com
  kewalsach_times@rediffmail.com
- स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक ब्रजेश मिश्र द्वारा जय हिन्द प्रेस कंकड़बाग पटना-800020 से मुद्रित एवं पूर्वी अशोक नगर, रोड नं. 14, कंकड़बाग पटना-800020 से प्रकाशित, संपादक- ब्रजेश मिश्र। **RNI NO.- BIHBIL/2011/49252**
- पत्रिका में प्रकाशित समाचारों से संपादक की सहमति आवश्यक नहीं है।
- सभी प्रकार के वाद - विवादों का निपटारा पटना न्यायालय के अधीन होगा।
- आलेख पर किसी को कोई आपत्ति हो तो एक महीने के भीतर खंडन करें।
- किसी भी लेख के लिए रचनाकार/लेखक स्वयं जिम्मेवार होंगे।
- सभी पद अवैतनिक हैं।
- विज्ञापन की सत्यता की जाँच आप अपने स्तर पर कर लें।
- फोटो-समाचार साभार भी (माध्यम- इंटरनेट एवं अन्य स्त्रोत)
- कोई भी शिकायत हमारे पते पर लिखकर भेजें।
- **विज्ञापन का भुगतान चेक या ड्राफ्ट एवं RTGS से ही मान्य होगा।**
- भुगतान BRAJESH MISHRA को ही करें। किसी प्रतिनिधि को नगद न दें।

A/C No.	:-	20001817444
BANK	:-	State Bank Of India
IFSC Code	:-	SBIN0003564
PAN No.	:-	AKKPM4905A

Contributions/Donations are Invited for the Welfare of Elders/Sr. Citizens for the establishment of "APNA GHAR" A home for Sr. Citizens of Bihar & Jharkhand Proposed to be Constructed Under the ageas of " KEWAL SACH SAMAJIK SANSTHAN".

KEWAL SACH SAMAJIK SANSTHAN

Registered Under the Indian Society Act 21, 1880

East Ashok Nagar, Road No.-14,
Kankarbagh, Patna - 800020

Contact No. :- 09431073769, 9955077308, 9308727077

E-mail :- kewalsachsamajiksansthan33@gmail.com

Reg. No. : 1141 (2009-10), Income Tax No. :12AA/2505-8 | 80 जी (5)/तक०/2013-14/1060-63

APNA GHAR

Now in the State of Bihar & Jharkhand

Help the helpless Elders/Sr. Citizen. For which your Contribution and Donation are essential.
Your Coopertation in this direction can make a diffrence in the lives of many Sr. Citizens.

KEWAL SACH SAMAJIK SANSTHAN

A/C No.	-	**0600010202404**
Bank Name	-	**United Bank of India**
IFSC Code	-	**UTBIOKKB463**
Pan No.	-	**AAAAK9339D**

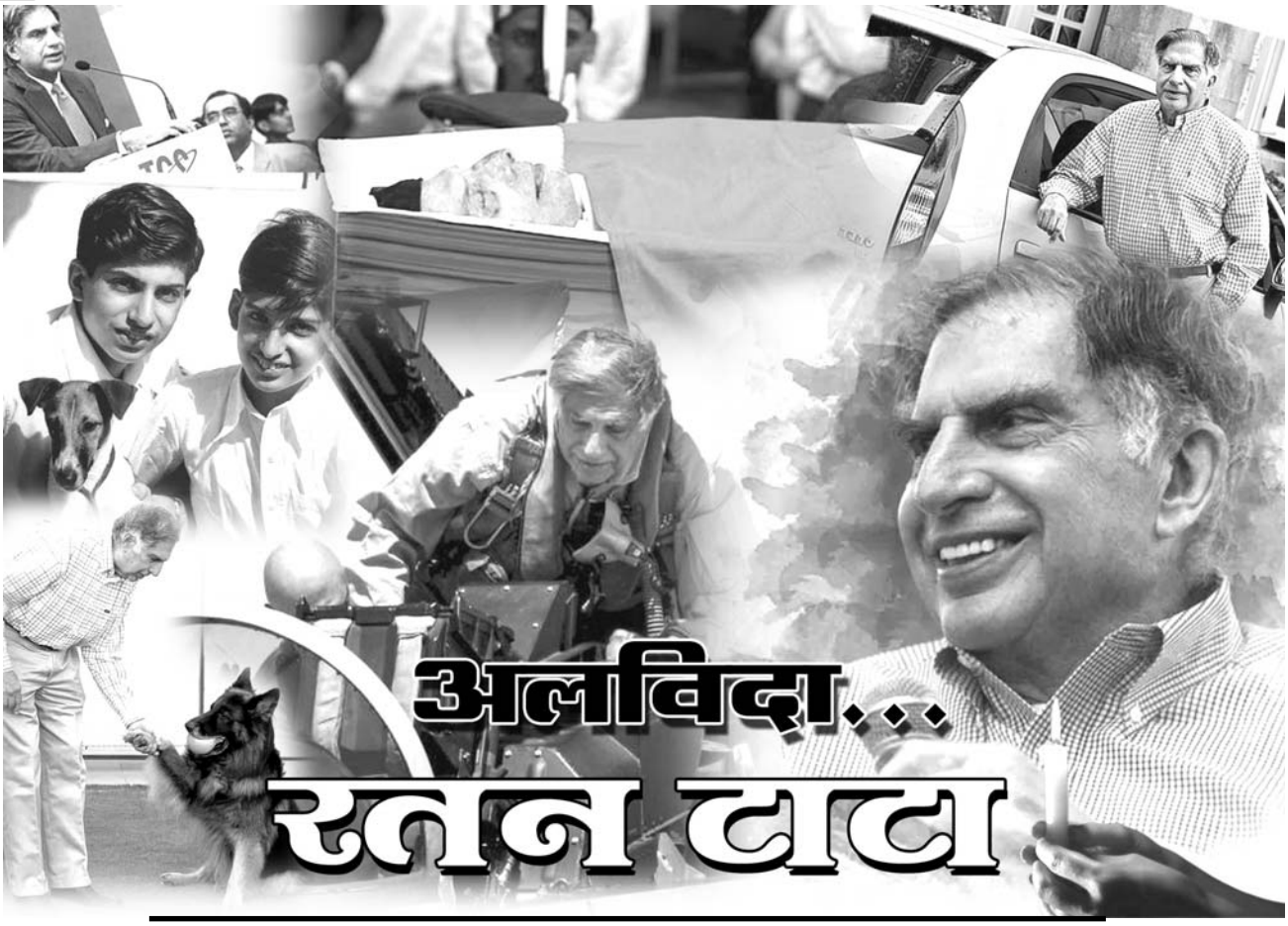

अलविदा... रतन टाटा

● अमित कुमार

अगर आप भीड़ से अलग दिखना चाहते हैं, तो भीड़ से अलग सोचिए। सपनों को हकीकत में बदलने के लिए सिर्फ कड़ी मेहनत नहीं, सही दिशा भी चाहिए। आज टाटा ग्रुप इसी का मिशाल है, जिसे पूरा कर दिखाया रतन टाटा ने। लेकिन अफसोस है कि आज इतने बड़े शख्स हमारे बीच नहीं। उद्योगपति रतन टाटा का 9 अक्टूबर को देर रात मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया। टाटा समूह के मानद चेयरमैन की आयु 86 वर्ष थी। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने एक बयान में रतन टाटा के निधन की पुष्टि की और उन्हें अपना ''मित्र और मार्गदर्शक'' बताया। बता दें कि पिछले कुछ दिनों से वह दक्षिण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती थे। अरबपति हर्ष गोयनका ने भी टाटा के निधन पर दुख जताया और 'एक्स' पर एक पोस्ट में उन्हें ''टाइटन'' (अत्यंत महत्वपूर्ण व्यक्ति) करार दिया। रतन टाटा का जाना देश के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है। रतन टाटा ने देश के आम आदमी के सपनों को पूरा किया। 28 दिसंबर 1937 को जन्मे रतन टाटा टाटा ग्रुप के संस्थापक जमशेदजी टाटा के परपोते और नवल टाटा के सुपुत्र हैं। रतन टाटा के पिता नवल टाटा को जेएन पेटिट पारसी अनाथालय से नवाजबाई टाटा ने गोद लिया था। रतन टाटा के पिता नवल और मां सोनू 1940 के मध्य में अलग हो गए। इस समय रतन टाटा की उम्र दस वर्ष थी और उनके छोटे भाई, जिम्मी, सात वर्ष के थे। दोनों बच्चों की परवरिश उनकी दादी नवाजबाई टाटा ने की। रतन टाटा के एक हॉफ ब्रदर नोएल टाटा, नवल टाटा की दूसरी शादी जो सिमोन टाटा के साथ हुई थी से जन्मे थे। रतन टाटा की शिक्षा मुंबई के कैथेड्रल एंड

जॉन कॉनन स्कूल में हुई। उनके पास कॉर्नेल यूनिवर्सिटी से आर्किटेक्चर में स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में बीएस डिग्री है। यह उन्होंने 1962 में प्राप्त की। एडवांस्ड मैनेजमेंट प्रोग्राम रतन टाटा ने 1984 में हार्वड बिजनेस स्कूल से पूरा किया। रतन टाटा 17 साल की उम्र में कॉर्नेल यूनिवर्सिटी, यूएस गए और आर्किटेक्चर और इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। वे 1991 से 2012 तक ग्रुप के चेयरमैन थे और अक्टूबर 2016 से फरवरी 2024 तक अंतरिम चेयरमैन थे। रतन, टाटा ग्रुप के चौरिटेबल ट्रस्ट्स के प्रमुख बने हुए हैं। रतन ने अपनी विरासत को एक नए मुकाम पर पहुंचाया है। विदेशी कंपनी फोर्ड के लग्जरी कार ब्रांड लैंडरोवर और जगुआर को भी अपने पोर्टफोलियो में जोड़ा। उन्होंने एयर इंडिया को अपने एंपायर में शामिल किया। अपनी विनम्रता के लिए जाने जाने वाले रतन टाटा ने मार्च 1991 में ग्रुप के चेयरमैन के रूप में कार्यभार संभाला और 2012 में पद छोड़ दिया।

सनद् रहे कि 9 अक्टूबर 2024 को रतन टाटा के निधन से पूरा देश शोक में डूब गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें एक दूरदर्शी कारोबारी नेता और असाधारण इंसान बताया। मोदी ने 'एक्स' पर कहा, ''श्री रतन टाटा जी का सबसे अनूठा पहलू बड़े सपने देखना और दूसरों को कुछ देने के प्रति उनका जुनून था। वह शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता, पशु कल्याण जैसे मुद्दों को आगे बढ़ाने में सबसे आगे रहे थे।'' मोदी ने कहा कि रतन टाटा ने भारत के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित व्यापारिक घरानों में से एक, टाटा समूह को स्थिर नेतृत्व प्रदान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि अपनी विनम्रता, दयालुता और हमारे समाज को बेहतर बनाने के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के कारण वह कई लोगों के प्रिय बन गए थे। मोदी ने उद्योगपति के साथ अपने पुराने संबंधों को याद करते हुए कहा कि जब वह (मोदी) गुजरात के मुख्यमंत्री थे तो उनकी उनसे अक्सर मुलाकात होती थी। उन्होंने

कहा, ''हम विभिन्न मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करते थे। मुझे उनका दृष्टिकोण बहुत सार्थक लगा। दिल्ली आने पर भी यह बातचीत जारी रही। उनके निधन से मुझे बहुत दुख हुआ है। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, मित्रों और प्रशंसकों के साथ हैं।'' कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने ट्वीट किया, 'रतन टाटा एक दूरदर्शी व्यक्ति थे। उन्होंने व्यापार और परोपकार दोनों पर अमिट छाप छोड़ी है। उनके परिवार और टाटा समुदाय के प्रति मेरी संवेदनाएं।' कई अन्य केंद्रीय मंत्रियों ने रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया है और उनके योगदान की सराहना की है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ''रतन टाटा भारतीय उद्योग जगत के एक ऐसे दिग्गज थे, जिन्हें हमारी अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता था। उनके परिवार, मित्रों और प्रशंसकों के प्रति मेरी गहरी

रतन टाटा ने 21 साल तक टाटा ग्रुप की कमान संभाली और टाटा को नई ऊंचाई पर पहुंचाया।

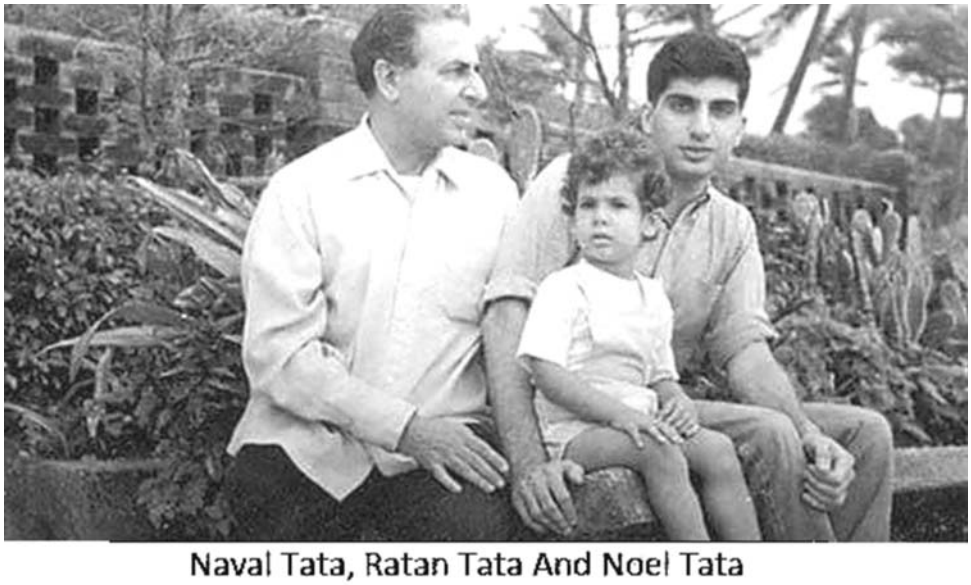

Naval Tata, Ratan Tata And Noel Tata

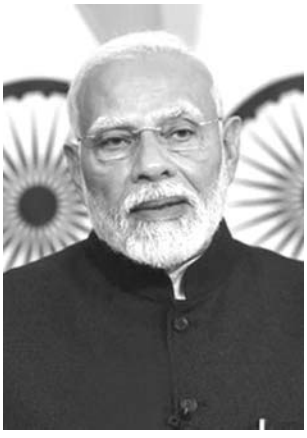

संवेदनाएं।'' पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने प्रसिद्ध उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर दु:ख जताया और कहा कि वे सत्ता में बैठे लोगों के सामने सच बोलने का साहस रखते थे। नई दिल्ली में सिंह ने टाटा समूह के प्रमुख एन. चंद्रशेखरन को पत्र लिखकर संवेदना प्रकट की। मनमोहन सिंह ने पत्र में कहा कि भारतीय उद्योग जगत के दिग्गज रतन टाटाजी के निधन से गहरा दु:ख हुआ। वे कारोबार जगत के एक आदर्श व्यक्तित्व से कहीं अधिक थे। उनकी दूरदर्शिता और मानवता उनके जीवन के दौरान स्थापित और पोषित कई परमार्थ कार्यों में दिखी। उन्होंने कहा कि उनमें सत्ता में बैठे लोगों से सच बोलने का साहस था। मेरे पास कई मौकों पर उनके साथ बहुत करीब से काम करने की सुखद यादें हैं। पूर्व प्रधानमंत्री का कहना था कि मैं इस दु:खद घड़ी में अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। उनकी आत्मा को शांति मिले। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए नागपुर में कहा कि वे अपनी अनूठी सोच और कार्य से प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। भागवत ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि अनेक ऊंचाइयों को छूने के बाद भी उनकी सादगी और विनम्रता की शैली अनुकरणीय रहेगी। भागवत ने कहा कि उनके निधन से भारत ने एक अमूल्य रत्न खो दिया है। संघ प्रमुख ने कहा कि भारत की विकास यात्रा में रतन टाटा का योगदान चिरस्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि उद्योग के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नई व प्रभावी पहल के साथ ही उन्होंने कई श्रेष्ठ मानक स्थापित किए। समाज के हित के अनुकूल सभी कार्यों में उनका सतत सहयोग व सहभागिता बरकरार रही। भागवत ने कहा कि राष्ट्र की एकात्मता व सुरक्षा की बात हो या विकास का कोई पहलू हो अथवा कार्यरत कर्मचारियों के हितों का मामला हो, रतनजी अपनी विशिष्ट सोच व कार्य से प्रेरणादायी रहे। उन्होंने कहा कि हम उन्हें विनम्र एवं भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं तथा प्रार्थना करते हैं कि ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने विख्यात उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर दु:ख जताया और कहा कि वे भारत के कॉर्पोरेट जगत के सौम्य सम्राट थे, जिन्होंने टाटा समूह को 1991 के बाद के भारत के लिए तैयार किया। यह आसान नहीं था, क्योंकि जब वे जेआरडी टाटा के उत्तराधिकारी बने तो वे स्वयं किंवदंतियों से घिरे हुए थे, लेकिन वे अपनी दूरदर्शिता, संकल्प और धैर्य से विजयी हुए। उन्होंने कहा कि उनकी वैश्विक प्रतिष्ठा शानदार थी और वे वास्तव में कारोबार जगत के एक अगुवा से कहीं अधिक थे। पूर्व केन्द्रीय मंत्री रमेश ने कहा कि मैं रतन टाटा से पहली बार सितंबर 1985 में मिला था, जब मैं उद्योग मंत्रालय में था और वे टाटा समूह

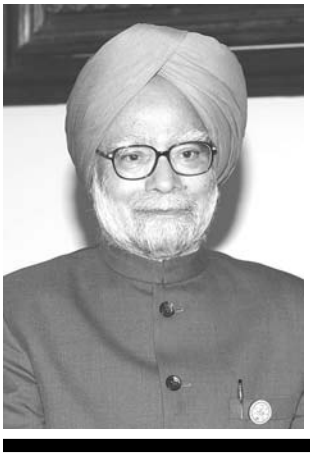

के लिए 20 साल की रणनीतिक योजना पेश करने के लिए एक टीम के साथ आए थे। इसके बाद मैं समय-समय पर उनके संपर्क में रहा। उन्होंने कहा कि वे हमेशा भारत के आर्थिक इतिहास में एक बहुत सम्मानित और प्रतिष्ठित नाम बने रहेंगे, खासकर उन मूल्यों के लिए जिनका उन्होंने उदाहरण पेश किया और समर्थन किया। उद्योग मंडल फिक्की ने उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें एक ऐसा आदर्श बताया जिन्होंने नैतिक पूंजीवाद के अपने दृष्टिकोण से उद्यमियों की कई पीढ़ियों को प्रेरित किया। फिक्की के अध्यक्ष अनीश शाह ने कहा कि फिक्की, रतन टाटा को न केवल एक सफल व्यवसायी के रूप में बल्कि एक आदर्श व्यक्ति के रूप में भी याद करता है जिन्होंने ईमानदारी, विनम्रता तथा सामाजिक जिम्मेदारी के मूल्यों को अपनाया। इसी तरह भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल (एसोचैम) ने रतन टाटा को एक प्रतिष्ठित व्यक्ति बताया जिनका प्रभाव भारतीय उद्योग जगत से परे फैला है। एसोचैम के महासचिव दीपक सूद ने कहा कि टाटा ने न केवल विविधतापूर्ण टाटा समूह को दुनिया के कई देशों में पहुंचाया बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी, मोटर वाहन, इस्पात तथा आतिथ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में वैश्विक परिदृश्य पर भारत की ब्रांड इक्विटी में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि उनका जीवन भारत के उद्यमियों के लिए वैश्विक स्तर पर सोचने और आगे बढ़ने, बेदाग प्रतिष्ठा तथा कॉर्पोरेट प्रशासन के उच्च मानक को बनाए रखने के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा।

आपको 5 साल जमीनी स्तर पर काम करने की जरूरत है। उद्यम किसी ऐसे व्यक्ति की क्षमता है जिसकी उम्र भले ही 20 से 30 वर्ष हो, लेकिन उसके पास एक अच्छा विचार हो तथा उसे इसे लागू करने का तरीका खोजने की जरूरत हो।

-: रतन टाटा

गौरतलब है कि पारंपरिक व्यापारिक परिवार से आने के बावजूद रतन टाटा हमेशा आगे की सोच रखते थे और यह गुण एक साल पहले 'टी-हब' के उद्घाटन के अवसर पर उनके द्वारा दिए गए भाषण से स्पष्ट होता है जिसमें उन्होंने शानदार विचारों वाली युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के महत्व पर जोर देते हुए कहा था कि वे भारत के नए चेहरे का प्रतिनिधित्व करते हैं। भारत के सबसे बड़े इन्क्यूबेशन केंद्र टी-हब में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए टाटा ने कहा था कि वे ऐसे माहौल में पले-बढ़े थे, जहां अगर किसी के पास कोई विचार होता तो

बॉस या प्रबंधक उसे सुनने को तैयार नहीं होते और विनम्रता से कहते कि विचार लाने से पहले जमीनी स्तर पर अनुभव प्राप्त करना होगा। उन्होंने कहा था कि आपको 5 साल जमीनी स्तर पर काम करने की जरूरत है। उसके बाद आप बात कर सकते हैं। आजकल उद्यम ऐसे नहीं होते। आज उद्यम किसी ऐसे व्यक्ति की क्षमता है जिसकी उम्र भले ही 20 से 30 वर्ष हो लेकिन उसके पास एक अच्छा विचार हो तथा उसे इसे लागू करने का तरीका खोजने की जरूरत हो। उनके अनुसार देश में उद्यम पूंजीपतियों का माहौल है, जो व्यक्ति की बात सुनते हैं और टी-हब जैसी सुविधाएं हैं, जो उस व्यक्ति को अपने विचारों को वास्तविकता में बदलने के लिए सक्षम बनाती हैं। टी-हब नवाचार केंद्र है, जो स्टार्टअप, कॉर्पोरेट, शिक्षाविदों, निवेशकों और सरकारों को जोड़ता है। बहरहाल, उद्योगपति रतन टाटा के निधन से देशभर में शोक की लहर दौड़ गई। वे जितने कुशल बिजनेस टाइकून थे उतने ही दरियादिल भी थे। मुंबई आतंकी हमले से लेकर कोरोना काल तक कई अवसरों पर उन्होंने खुले दिल से लोगों की मदद की। रतन टाटा ने 21 साल तक टाटा ग्रुप की कमान संभाली और टाटा को नई ऊंचाई पर पहुंचाया। रतन टाटा के 10 ऐसे फैसलों पर भारतीय उद्योग जगत की दशा और दिशा बदल दी, जिनमें :-

रतन टाटा के पास 30 से ज्यादा कंपनियां थीं जो 6 महाद्वीपों के 100 से अधिक देशों में फैली थीं, इसके बावजूद वह एक सादगीपूर्ण जीवन जीते थे।

☞ **स्टार्टअप इको सिस्टम :** रतन टाटा को नए स्टार्ट अप में निवेश करना खासा पसंद था। उन्होंने 40 से ज्यादा स्टार्ट अप में निवेश कर उन्हें मजबूती दी। इनमें फस्ट क्राई, अर्बन कंपनी, और लेंसकार्ड जैसे स्टार्ट अप शामिल है।

☞ **टाटा इंडिका की लांचिंग :** रतन टाटा के नेतृत्व में 1998 में टाटा मोटर्स ने पहली पैसेंजर कार टाटा इंडिका लांच की। लोगों ने इस कार को हाथों हाथ लिया और देखते ही देखते मात्र 2 साल में यह अपने समूह में नंबर वन कार बन गई।

☞ **टेटली का अधिग्रहण :** टाटा ने 2000 में ब्रिटेन की सबसे बड़ी चाय कंपनी टेटली ग्रुप का 45 करोड़ डॉलर में अधिग्रहण किया। यह उस समय दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी चाय उत्पादक और वितरण कंपनी थी। यह उस समय किसी भारतीय कंपनी द्वारा किया गया सबसे बड़ा विदेशी अधिग्रहण था।

टाटा एआईजी : टाटा ग्रुप ने 1919 में भारत में न्यू इंडिया इंशोरेंस की शुरुआत की थी। 1973 में इसका राष्ट्रीयकरण कर दिया गया। 2001 में रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा ने अमेरिकन इंटरनेशनल ग्रुप इंक के साथ मिलकर इंशोरेंस इंडस्ट्री में वापसी की।

☞ **वीएसएनएल पर नियंत्रण :** वीएसएनएल न्यूयॉर्क एक्सचेंज में लिस्टेड पहली सरकारी कंपनी थी। टाटा समूह ने 2002 में इस कंपनी में नियंत्रणकारी शेयर हासिल किए। बाद में कंपनी का नाम बदलकर टाटा कम्यूनिकेशंस लिमिटेड हो गया।

☞ **टीसीएस ने किया कमाल :** टीसीएस के माध्यम से टाटा ग्रुप ने सॉफ्टवेअर इंडस्ट्री में कदम रखा। 2003 में यह देश की पहली कंपनी बनी, जिसका राजस्व 1 अरब डॉलर के पार पहुंच गया। एक साल बाद यह शेयर बाजार में लिस्ट हुई। यहां भी कंपनी के शेयरों को निवेशकों का जबरदस्त प्रतिसाद मिला।

☞ **न्यूयॉर्क एक्सचेंज में टाटा मोटर्स :** 2004 में टाटा मोटर्स की लिस्टिंग न्यूयॉर्क एक्सचेंज में हो गई। इसके बाद दुनिया भर में टाटा मोटर्स की प्रतिष्ठा तेजी से बढ़ी। कंपनी ने इसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा और कई बड़ी कंपनियों का अधिग्रहण किया।

☞ **नैनो का अनावरण :** 2008 में टाटा मोटर्स ने देश की सबसे सस्ती कार टाटा नैनो लांच की। इसके माध्यम से रतन टाटा ने लोगों

को महज 1 लाख रुपए में कार उपलब्ध कराई। भले ही टाटा की यह कार ज्यादा सफल नहीं रही लेकिन उसने कार बाजार में लोगों को आकर्षण को बढ़ा दिया और आज बड़ी संख्या में लोगों के पास कार हो गई।

☞ **जगुआर लैंडरोवर :** 2008 में टाटा ने ब्रिटेन की सबसे बड़ी कार कंपनी निर्माता कंपनी जगुआर लैंड रोवर का अधिग्रहण किया। इस डील के बाद टाटा ने लक्जरी कार मार्केट में एंट्री की और वहां भी टाटा एक बड़ा प्लेयर बन गया। जगुआर लैंड रोवर की कारों को न केवल भारत में, बल्कि दुनिया भर में पसंद किया गया।

रतन टाटा के बारे में कहा जाता है कि वह अमेरिकी तकनीकी दिग्गज आईबीएम के साथ नौकरी की पेशकश के बावजूद भारत लौटने का फैसला किया और अपने करियर की शुरुआत टाटा ग्रुप के साथ 1961 में की। अपने करियर की शुरुआत में रतन टाटा, टाटा स्टील के शॉप फ्लोर पर लाइमस्टोन को हटाने और धमाके भट्टी को हैंडल करने का काम करते थे। उनके परिवार के सदस्य कंपनी के मालिक थे, पर उन्होंने एक सामान्य कर्मचारी के तौर पर कंपनी में काम शुरू किया। उन्होंने टाटा स्टील के प्लांट में चूना पत्थर को भट्टियों में डालने जैसा काम भी किया। टाटा ने नाल्को में हाई टेक्नोलॉजी प्रोडक्ट बनाने की शुरुआत करने के लिए पैसा लगाने का सुझाव जेआरडी टाटा को दिया। अब तक इस कंपनी में सिर्फ इलेक्ट्रॉनिक्स ही बनाए जाते थे और कंपनी काफी घाटे में चल रही थी। जेआरडी टाटा इस सलाह से बहुत खुश नहीं थे, परंतु उन्हें इस पर अमल किया और आगे चलकर कंपनी काफी फायदे में चलने लगी। रतन टाटा को 1970 के दशक में टाटा समूह में प्रबंधकीय पद दिया गया। 1991 में जेआरडी टाटा ने टाटा संस का चौयरमैन पद छोड़ दिया और रतन टाटा को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया। टाटा को शुरुआत में विभिन्न सहायक कंपनियों के प्रमुखों से कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। टाटा ने नवाचार को प्राथमिकता दी और युवा प्रतिभाओं को कई जिम्मेदारियां सौंपी। उनके नेतृत्व में सहायक कंपनियों के बीच ओवरलैपिंग संचालन को

रतन टाटा को भारत सरकार ने वर्ष 2000 में पद्मभूषण और 2008 में पद्मविभूषण से नवाजा।

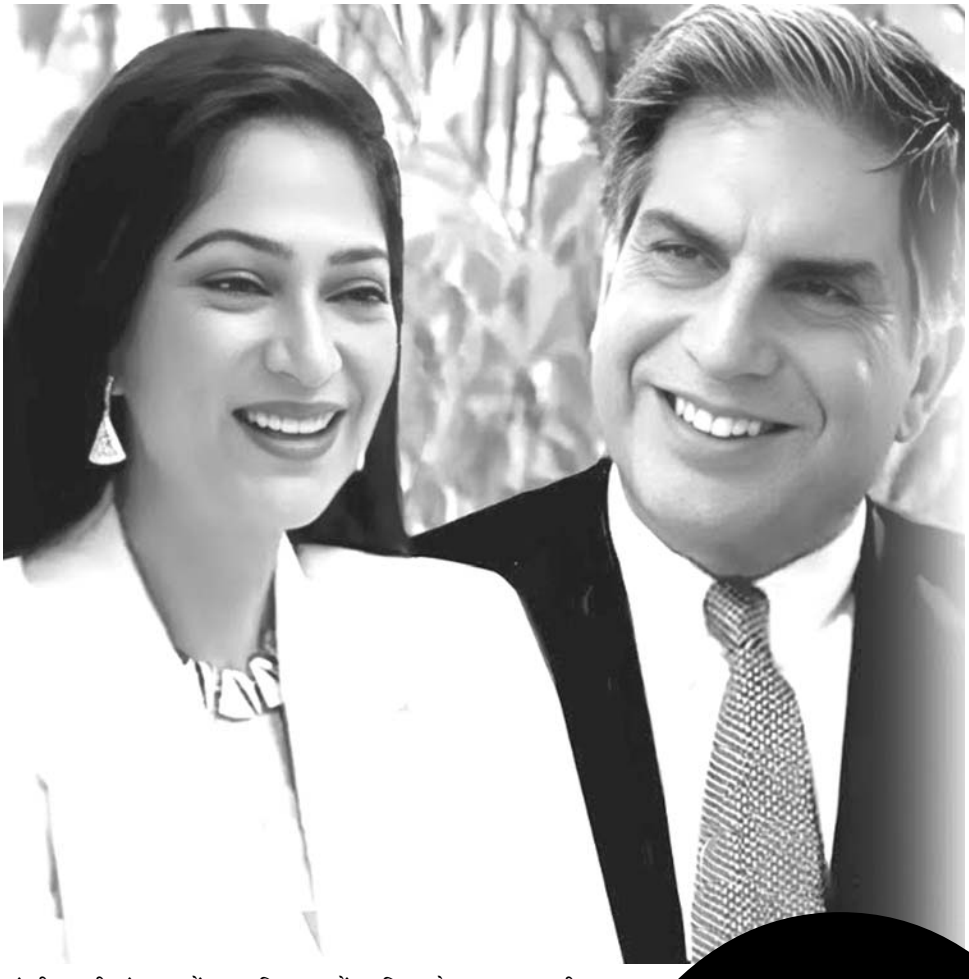

कंपनी-व्यापी संचालन में सुव्यवस्थित किया गया, जिसमें समूह वैश्वीकरण को अपनाने के लिए असंबंधित व्यवसायों से बाहर निकल गया। टाटा ने 75 वर्ष की आयु पूरी करने पर दिसंबर 2012 को टाटा समूह में अपनी कार्यकारी शक्तियों से इस्तीफा दे दिया। उनके उत्तराधिकार को लेकर काफी विवाद भी हुआ और कंपनी के निदेशक मंडल और कानूनी इकाई ने उनके उत्तराधिकारी साइरस मिस्त्री को नियुक्त करने से इनकार कर दिया, जो टाटा के रिश्तेदार और शापूरजी पल्लोनजी समूह के पल्लोनजी मिस्त्री के पुत्र थे और वे टाटा समूह के सबसे बड़े व्यक्तिगत शेयरधारक थे। चौबीस अक्टूबर 2016 को, साइरस मिस्त्री को टाटा संस के अध्यक्ष पद से हटा दिया गया और टाटा को अंतरिम अध्यक्ष बनाया गया। उत्तराधिकारी खोजने के लिए एक चयन समिति बनाई गई, जिसमें टाटा भी सदस्य के रूप में शामिल थे। बारह जनवरी 2017 को, नटराजन चंद्रशेखरन को टाटा संस के अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया और चंद्रशेखरन ने फरवरी 2017 में पदभार संभाला। अपने 21 साल के कार्यकाल में रतन टाटा ने टाटा ग्रुप की आमदनी को 40 गुना अधिक कर दिया और टाटा ग्रुप के लाभ को 50 गुना पहुंचा दिया। जब उन्होंने टाटा के ग्रुप की कमान संभाली थी, तब लाभ चीजें बेचकर होती थीं और जब टाटा ने ग्रुप छोड़ा, तब आमदनी का जरिया टाटा ब्रांड बन चुका था। रतन टाटा की कमान लेते ही टाटा ग्रुप ने टाटा टी ब्रांड के तले टीटले, टाटा मोटर्स के तले जगुआर लैंड रोवर और टाटा स्टील के तले कोरस खरीदे। इन खरीदियों के बाद टाटा ग्रुप भारत के बहुत बड़े ब्रांड से ग्लोबस बिजनेस में दाखिल हुआ। इस ग्रुप का 65 प्रतिशत रैवेन्यू करीब 100 देशों में फैले बिजनेस से आने लगा। टाटा की नैनो कार, रतन टाटा की सोच का नतीजा है। रतन टाटा ने कहा भी है कि नैनो का कांसेप्ट क्रांतिकारी रहा। इसके भारतीय बाजार में आने से एवरेज इंडियन खरीदार के बजट के अनुसार कारों की कीमत रखी जाने लगी। रतन टाटा दुनिया के सबसे प्रभावशाली उद्योगपतियों में से एक थे, फिर भी वह कभी अरबपतियों की किसी सूची में नजर नहीं आए। उनके पास 30 से ज्यादा कंपनियां थीं जो 6 महाद्वीपों के 100 से अधिक देशों में फैली थीं, इसके बावजूद वह एक सादगीपूर्ण जीवन जीते थे। टाटा शिक्षा, चिकित्सा और ग्रामीण विकास के समर्थक रहे और उन्हें भारत में एक अग्रणी परोपकारी व्यक्ति माना जाता है। रतन टाटा को भारत सरकार ने वर्ष 2000 में पद्मभूषण और 2008 में पद्मविभूषण से नवाजा।

भारत के दिग्गज उद्योगपित रतन टाटा के निधन से देशभर में शोक की लहर है। रतन टाटा ने अपनी जिंदगी में वो सब कुछ हासिल किया जिसका उन्होंने सपना देखा। सादगी भरी जिंदगी जीने वाले रतन टाटा करोड़ों लोगों की प्रेरणा थे। हालांकि वह उम्रभर अकेले ही रहे। रतन टाटा ने शादी नहीं की थी। हालांकि ऐसा नहीं है कि उनकी जिंदगी में कोई लड़की नहीं थीं। रतन टाटा ने कभी एक्ट्रेस सिमी ग्रेवाल को डेट किया था। दोनों रिलेशनशिप में थे और इसका खुलासा खुद सिमी ने साल 2011 में ईटाइम्स को दिए इंटरव्यू में किया था। रतन टाटा उनसे शादी भी करना चाहते थे। लेकिन यह रिश्ता पहले ही टूट गया। रतन टाटा और सिमी ग्रेवाल ब्रेकअप के बाद भी अच्छे दोस्त रहे। रतन टाटा जब सिमी ग्रेवाल के शो Rendezvous with Simi

मुझे पत्नी या परिवार न होने के कारण अकेलापन महसूस होता है। कभी-कभी मैं इसके लिए तरसता हूं। हालांकि, मैं कभी-कभी इस बात की आजादी का आनंद लेता हूं कि मुझे किसी और की भावनाओं या किसी और की चिंताओं के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है।

-: रतन टाटा

Garewal में आए थे, तो उन्होंने कई खुलासे किए थे। सिमी ग्रेवाल ने रतन टाटा से पूछा था कि उन्होंने कभी शादी क्यों नहीं की? जवाब में रतन टाटा ने कहा था, बहुत सारी चीजें हुईं, जिन्होंने मुझे शादी करने से रोक दिया। टाइमिंग सही नहीं रही और फिर काम में इतना मशगूल हो गया कि टाइम ही नहीं रहा। मैं कई बार शादी करने के नजदीक पहुंचा, पर बात नहीं बनी। रतन टाटा ने बताया था कि उन्हें चार बार प्यार और बात शादी तक भी पहुंची थी, पर किसी न किसी वजह से बात बिगड़ गई। कई बार ऐसा होता है कि मुझे पत्नी या परिवार न होने के कारण अकेलापन महसूस होता है। कभी-कभी मैं इसके लिए तरसता हूं। हालांकि, मैं कभी-कभी इस बात की आजादी का आनंद लेता हूं कि मुझे किसी और की भावनाओं या किसी और की चिंताओं के बारे में चिंता न करने की जरूरत नहीं है। वहीं सिमी ग्रेवाल ने रतन टाटा संग अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए कहा था, रतन और मेरा लंबा रिश्ता रहा है। वह एकदम परफेक्ट इंसान हैं। उनका सेंस ऑफ ह्यूमर काफी अच्छा है और वह परफेक्ट जेंटलमैन हैं। पैसा कभी भी उनके लिए मायने नहीं रहा। जितना वह विदेश में रिलैक्स रहते हैं, इतना इंडिया में नहीं रहते।

सनद् रहे कि सर रतन टाटा का कुत्तों के प्रति प्यार जगजाहिर है। बचपन से लेकर अब तक वे कुत्तों से प्यार करते रहे। उनकी संरक्षण में कई कुत्तों की देखभाल होती है। यहां तक कि मुंबई में होटल ताज के परिसर में भी कुत्तों की आवाजाही या एंट्री पर कोई रोक नहीं है। रतन टाटा ने इस बारे में साफ और सख्त निर्देश जारी कर रखे थे कि ताज होटल के परिसर में बैठे या घूमते किसी भी कुत्तों को कोई नहीं भगाएगा। यहां तक कि खुद रतन टाटा ने कई कुत्ते पाल रखे थे। अब जब रतन टाटा नहीं रहे हैं और 10 अक्टूबर की शाम 4 बजे करीब उनका अंतिम संस्कार किया गया तो उनके साथ रहने वाला उनका एक कुत्ता गोवा उनके शव के पास से हटने के लिए तैयार नहीं था। जब अंतिम संस्कार के पहले टाटा की पार्थिव देह दर्शन के लिए रखी गई तो वहां उनके कुत्ते गोवा को भी लाया गया। लेकिन जब दर्शन के बाद उसे फिर से ले जाया गया तो गोवा वहां से हटने के लिए तैयार नहीं था। वो लगातार देह के पास रहने की कोशिश करता रहा। अपने मालिक की देह को गोवा लगातार निहारता रहा और बेचैन होता रहा। यह दृश्य देखकर वहां माहौल और ज्यादा गमगीन हो गया और वहां मौजूद हर शख्स फफककर रो पड़ा। गोवा नाम का यह कुत्ता रतन टाटा के बेहद करीब था। टाटा सालों पहले इसे गोवा से लाए थे, जिसके बाद इसका नाम गोवा रखा गया। सादा जीवन, उच्च विचार के सिद्धांत को जीने वाले रतन टाटा ने पूरी उम्र परोपकार को कारोबार से ऊपर रखा। इसी भाव ने उन्हें पशु प्रेमी बना दिया। उनके पशु प्रेम की पराकाष्ठा यह थी कि वो बकिंघम पैलेस से आए न्योते को स्वीकार कर भी नहीं गए क्योंकि उनका पालतू कुत्ता बीमार था। दरअसल, इंग्लैंड के राजा चार्ल्स उन्हें पशु प्रेम के लिए ही सम्मानित करना चाहते थे, लेकिन रतन टाटा ने आखिरी समय पर मीटिंग कैंसिल कर दी। यह किस्सा बिजनेसमैन सुहेल सेठ ने एक वीडियो में बताया जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था।

रतन टाटा जिस तरह से अपने सामाजिक कार्यों से देश में योगदान दिया उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। अब चूकि उनका निधन हो गया है तो उनके वसीयत के बारे में खबरें आ रही हैं। बता दें कि रतन टाटा के पास करीब 10 हजार करोड़ की संपत्ति थी। टाटा समूह में चैरिटेबल ट्रस्ट के शेयरों को छोड़ने की भी परंपरा है। रतन टाटा ने इसको भी ध्यान में रखा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रतन टाटा की वसीयत में उनके भाई जिमी टाटा, सौतेली बहन शिरीन और डिएना समेत कई लोगों के नाम हैं। रतन टाटा ने वसीयत में अपने फाउंडेशन का जिक्र किया है। दिलचस्प है कि रतन टाटा की वसीयत में उनके प्रिय डॉग टीटो का भी नाम है। रतन टाटा ने जर्मन शेफर्ड डॉग टीटो का भी ख्याल रखा है। उन्होंने टीटो की देखभाल करने की जिम्मेदारी अपने रसोइए राजन शॉ को दी है। इसके लिए अच्छी खासी रकम छोड़ी है। रतन टाटा ने वसीयत में अपने बटलर सुब्बैया के लिए भी कुछ हिस्सा छोड़ा है। टाइम्स ऑफ इंडिया में छपी खबर के अनुसार लंबे समय से सहयोगी रहे शांतनू नायडू और हाउस स्टाफ के कुछ लोगों को भी संपत्ति में हिस्सेदार बनाया है। टाटा ने आरएनटी कार्यालय में महाप्रबंधक नायडू के वेंचर गुडफेलो में अपनी हिस्सेदारी भी छोड़ दी है। उन्होंने शांतनू नायडू का एजुकेशन लोन भी माफ कर दिया

रतन टाटा का पशु प्रेम की पराकाष्ठा यह थी कि वो बकिंघम पैलेस से आए न्योते को स्वीकार कर भी नहीं गए क्योंकि उनका पालतू कुत्ता बीमार था।

है। शांतनु नायडू रतन टाटा के बेहद ही करीबी लोगों में से एक थे। वह 2017 से टाटा ट्रस्ट से जुड़े हुए हैं। रतन टाटा के पास अलीबाग में दो हजार वर्ग फुट का बंगला, जुहू में दो मंजिला मकान, 350 करोड़ की एफडी, टाटा संस में 0.83 फीसदी हिस्सेदारी छोड़ गए हैं। इसके अलावा रतन टाटा के पास 30 से 40 लग्जरी गाड़ियां थीं।

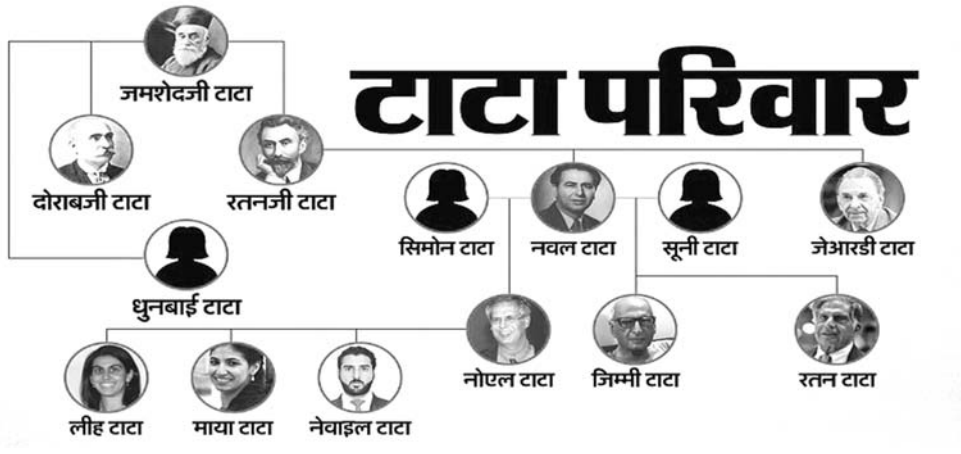

बहरहाल, आपके और हमारे द्वारा दिए गए सुख की दरकार नहीं थी रतन टाटा को। वे खुद ही इतना सुखी थे कि पूरी जिंदगी बेजुबानों से प्यार करते हुए विदा हो गए। लेकिन क्या हो जाता यदि मरने से पहले अपने दिल में रतन टाटा 'भारत रत्न' का सुख लेकर जाते? किंतु यह इस देश में मुमकिन नहीं। देश राजनीति की बेशर्म गर्द और गंध से चलता है, राजनीति वोटों से चलती है और वोट से सरकारें आगे बढ़ती हैं। सरकारों को ऐसे लोगों से कोई वास्ता नहीं, जो अरबों-खरबों का एंपायर स्थापित करने के बाद भी धूल धक्कड़ में बैठकर बेजुबानों को दुलार करते रहें। सरकारें सम्मान करने से पहले यह देखती हैं कि कौन दलित है और कौन आदिवासी? सरकारें देखती है कि कौन ब्राह्मण है और कौन ठाकुर? वो यह देखती हैं कि किस राज्य में चुनाव है और कहां से कितने प्रतिशत वोट मिलेंगे? हद तो तब हो जाती है जब सम्मान देने के लिए सरकार किसी रतन टाटा की मृत्यु की बेशर्मी से प्रतीक्षा करती है। शायद भारत रत्न मृत्यु उपरांत ही मिलता होगा! रतन टाटा तो बगैर भारत रत्न के ही चले गए। हालांकि, जो रतन टाटा किंग चार्ल्स के बुलावे पर बकिंघम पैलेस जाने और सम्मान लेने से इस वजह से इनकार कर दें कि अभी उनका कुत्ता बीमार है और इसलिए वे नहीं आ सकते, ऐसे रतन को भारत सरकार कोई सम्मान देना 'डिजर्व' करती भी नहीं। न ही रतन टाटा के समक्ष किसी सरकार का कद इतना बड़ा नजर आता है कि वो 'भारत रत्न' का बिल्ला डालने के लिए रतन टाटा की गर्दन झुकाने के लिए कहे। रतन टाटा की जिंदगी किसी राजनीतिक चेतना से संचालित होने वाली जिंदगी नहीं थी। उनकी जिंदगी कोई राजनीतिक मामला नहीं थी। वो तो इस देश में पसरे राजनीतिक, सामाजिक और यहां तक कि सांस्कृतिक अराजकताओं की इस गर्द और आंधी में एक ऐसी घटना थे, जो यह सिखाने आए थे कि एक इंसान को कैसे जीना चाहिए। तमाम कामयाबी, दौलत और शोहरत के बावजूद एक आदमी को क्या और कैसा होना चाहिए? वो आपको और हमें यह बताने आए थे कि एक आदमी होने के मायने क्या होते हैं। अब तो आपके और हमारे पास वो कूवत भी नहीं बची कि हम किसी भारत रत्न के लिए रतन टाटा की गर्दन झुकाने लिए कहें। वे तो पहले से ही भारत की 'जनता के रतन' थे। केवल सच मीडिया ग्रुप इस महान शख्स को श्रद्धा सुमन अर्पित करती है।

अब तो आपके और हमारे पास वो कूवत भी नहीं बची कि हम किसी भारत रत्न के लिए रतन टाटा की गर्दन झुकाने लिए कहें।

Defence Minister Rajnath Singh performs Shastra Pooja at Sukna Military Station in Bengal on Dussehra

Defence Minister Rajnath Singh on Saturday performed the traditional Shastra Pooja at the Sukna Military Station in West Bengal on the auspicious occasion of Dussehra. This significant ceremony in the Indian Army symbolises the respect for weapons as the protectors of the nation's sovereignty. Rajnath initiated the rituals with Kalash Pooja, followed by the Shastra Pooja and Vahan Pooja, an official statement said. He also offered prayers to a range of modern military equipment, including state-of-the-art infantry, artillery and communication systems, mobility platforms, and drone systems. The Defence Minister also interacted with the troops. In his address, Singh commended the vigilance and critical role of the Armed Forces in maintaining peace and stability along the borders. He stated that Dussehra symbolises the victory of good over evil, and the soldiers possess the same respect for human values. "India has never attacked any country out of hatred or contempt. We fight only when someone insults or tries to harm our integrity and sovereignty; when war is waged against religion, truth and human values. This is what we have inherited. We will continue to preserve this heritage. However, if our interests are threatened, we will not hesitate to take a big step. Shastra Pooja is a clear indication that if need be, the weapons and equipment will be used with full force," Rajnath said. The rituals, performed to seek blessings for strength, success and safety reaffirm the cultural and spiritual depth of Dussehra, underscoring the pivotal role of weapon systems in safeguarding the country. They symbolise the preparedness, resolve, and unwavering dedication of the Armed Forces to protect the nation. The ceremony highlighted the Indian Army's blend of tradition and modernisation, with a focus on preserving India's sovereignty and promoting indigenous defence systems and platforms. The event was attended by Chief of the Army Staff General Upendra Dwivedi, Defence Secretary-designate RK Singh, General Officer Commanding-in-Chief, Eastern Command Lt Gen Ram Chander Tiwari, DG Border Roads Lt Gen Raghu Srinivasan, General Officer Commanding, Trishakti Corps Lt Gen Zubin A Minwalla and other officials.

चुनावी ऐलान के बाद राजनीतिक सरगर्मी हुई तेज

झारखंड में विधानसभा चुनाव 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में होंगे और मतगणना 23 नवंबर को की जाएगी। इसे लेकर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' आगामी विधानसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ेगा और कांग्रेस तथा झामुमो 81 में से 70 सीट पर अपने उम्मीदवार उतारेंगे। सोरेन ने कहा कि शेष 11 सीटों के लिए गठबंधन सहयोगियों राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और वाम दलों के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत जारी है। हालांकि राजद ने इस बंटवारे पर असहमति व्यक्त की है। चुनाव से पहले 'इंडिया' गठबंधन के साझेदारों के बीच दरार खुलकर सामने आ गयी है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस द्वारा विधानसभा की 81 में से 70 सीट पर लड़ने की घोषणा को लेकर निराशा जताई। राजद ने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन के दोनों घटकों द्वारा सीट समझौते की घोषणा 'एकतरफा' है। पार्टी ने स्पष्ट कि किया कि ''उसने सभी विकल्प खुले रखे हैं। राजद के प्रवक्ता मनोज कुमार झा ने कहा कि हम हमें दी गई सीटों पर अपनी निराशा व्यक्त करते हैं। यह फैसला एकतरफा है। झा ने कहा कि हमसे विचार-विमर्श नहीं किया गया। हमारे समक्ष सभी विकल्प खुले हैं। उन्होंने कहा कि राजद ने झारखंड में कम से कम 15 से 18 सीट की पहचान की है, जहां पर वह अकेले अपने दम पर भाजपा को मात दे सकता है। पिछले विधानसभा चुनाव में राजद ने 7 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिनमें से 5 पर वह दूसरे स्थान पर रही थी। वही सोरेन ने यहां गठबंधन सहयोगियों के साथ बैठक के बाद कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) झारखंड विधानसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ेगा। सहयोगियों के साथ सीट-बंटवारे को लेकर बातचीत के दौरान यह निर्णय लिया गया है कि कांग्रेस और झामुमो राज्य विधानसभा की 81 में से 70 सीट पर अपने उम्मीदवार उतारेंगे। उन्होंने कहा कि सहयोगियों के साथ विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया है। सोरेन ने कहा कि झामुमो नीत गठबंधन को अपने विकास कार्यों के बलबूते राज्य में सत्ता बरकरार रखने का भरोसा है।

गौरतलब है कि झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा ने 35 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की, जिसमें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बरहेट और कल्पना सोरेन गांडेय सीट से चुनाव मैदान में हैं। हेमंत सोरेन साहिबगंज जिले के बरहेट (सुरक्षित) निर्वाचन क्षेत्र से विधायक हैं। उन्होंने 2019 के विधानसभा चुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साइमन माल्टो से 25,740 मतों से सीट जीती थी। पार्टी ने उन्हें इसी सीट से चुनाव मैदान में उतारा है। सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने गांडेय सीट पर उपचुनाव में भाजपा के दिलीप कुमार वर्मा को 27,149 मतों से पराजित किया था। यह सीट झामुमो विधायक सरफराज अहमद के इस्तीफे से रिक्त हुई थी। कल्पना एक बार फिर गांडेय से चुनाव लड़ेंगी। झामुमो की ओर से जारी इस सूची के अनुसार निवर्तमान मुख्यमंत्री के भाई बसंत सोरेन दुमका से, झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो नाला से, मंत्री मिथिलेश ठाकुर गढ़वा से, सोनू सुदिव्य गिरिडीह से और बेबी देवी डुमरी से चुनाव मैदान में हैं। बसंत सोरेन ने दुमका सीट से भाजपा के पूर्व मंत्री लुईस मरांडी को 6,842 से अधिक मतों से हराया

था। झामुमो की ओर से जारी उम्मीदवारों की सूची में चाईबासा से दीपक बिरुआ और जमुआ से भाजपा के तीन बार के विधायक रहे केदार हजारा शामिल हैं। हजारा हाल में पार्टी में शामिल हुए हैं। इसके बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा ने राज्य विधानसभा चुनाव के लिए अपनी दूसरी सूची जारी की, जिसमें राज्यसभा सदस्य महुआ माजी को रांची सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। माजी जून 2022 में संसद के उच्च सदन के लिए निर्विरोध चुनी गई थीं। बता दें कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रमुख घटक दल भारतीय जनता पार्टी ने रांची सीट से सीपी सिंह को उम्मीदवार बनाया है। माजी झारखंड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रह चुकी हैं। वह झामुमो की महिला इकाई की प्रमुख भी रही हैं। उन्होंने 2014 और 2019 में रांची विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें शिकस्त मिली थी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रमुख घटक दल भारतीय जनता पार्टी ने रांची सीट से सीपी सिंह को उम्मीदवार बनाया है। सिंह ने 2019 के चुनाव में इस सीट पर माजी को 5,904 मतों के अंतर से हराया था। वहीं, 2014 में सिंह ने माजी को

58,863 मतों के अंतर से शिकस्त दी थी। इस बीच, सूत्रों ने बताया कि इस सीट पर झामुमो के उम्मीदवार उतारने से 'इंडिया' गठबंधन के घटक दल कांग्रेस में नाराजगी है। इससे पहले, 2022 में जब माजी का नाम राज्यसभा उम्मीदवार के रूप में घोषित किया गया था, कांग्रेस ने कहा था कि दिल्ली में जो कुछ चर्चा हुई और झामुमो ने जो निर्णय लिया, उनके बीच विरोधाभास है। झारखंड में झामुमो का कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के साथ गठजोड़ है। दूसरी तरफ झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव से कुछ सप्ताह पहले भारतीय जनता पार्टी के दो और पूर्व विधायक लुईस मरांडी तथा कुणाल सारंगी झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) में शामिल हो गए। इससे दो दिन पहले तीन बार के भाजपा विधायक केदार हाजरा और आजसू पार्टी के उमाकांत रजक के झामुमो में शामिल हो गए थे। भाजपा के पूर्व प्रवक्ता और बहरागोड़ा के विधायक रह चुके सारंगी ने कहा कि हम आज झामुमो में शामिल हो गए। पूर्व भाजपा विधायक मरांडी ने 2014 में दुमका से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को 5,262 मतों के अंतर से हराया था। सोरेन ने 2019 में 13,188 वोटों के अंतर से सीट जीती थी। हालांकि, उन्होंने यह सीट छोड़ दी थी और बरहेट सीट को बरकरार रखा था।

सनद् रहे कि उधर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने अपने सहयोगियों के बीच सीट-बंटवारे का 'फॉर्मूला' घोषित कर दिया था। भाजपा 68, आजसू पार्टी 10, जद (यू) 2 और लोजपा (रामविलास) एक सीट पर चुनाव लड़ेगी। झारखंड के 43 विधानसभा क्षेत्रों के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू हो गई, जो 25 अक्टूबर तक जारी रहेगी। इन क्षेत्रों में पहले चरण में 13 नवंबर को मतदान होना है। बता दें कि झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी के सह प्रभारी और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने रांची में यह जानकारी दी। सरमा ने कहा कि सीट बंटवारे की व्यवस्था को लगभग अंतिम रूप दिया जा चुका है लेकिन भाजपा 'देखो और प्रतीक्षा करो' की रणनीति अपना रही है, क्योंकि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) सहित प्रतिद्वंद्वी दलों

ने अभी अपनी योजना का खुलासा नहीं किया है। वही आजसू सिल्ली, रामगढ़, गोमिया, ईचागढ़, मांडू, जुगसलाई, डुमरी, पाकुड़, लोहरदगा और मनोहरपुर से चुनाव लड़ेगी। उन्होंने बताया कि जद (यू) जमशेदपुर पश्चिम और तमाड़ से जबकि लोजपा (रामविलास) चतरा से चुनाव लड़ेगी। सरमा ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और आजसू पार्टी प्रमुख सुदेश महतो की मौजूदगी में यह टिप्पणी की। समझौते के अनुसार भाजपा 68 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। सरमा ने कहा कि हालांकि चर्चा जारी है और जल्द ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा। सनद् रहे कि झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 2019 में झारखंड विधानसभा में 47 सीट पर जीत दर्ज की थी, जिनमें झामुमो की 30 और कांग्रेस की 16 सीट शामिल थीं। भाजपा ने 25 सीट पर जीत दर्ज की थी।

बताते चले कि सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा की विधायक कल्पना सोरेन ने आरोप लगाया कि राज्य विधानसभा चुनाव तय समय से पहले भारतीय जनता पार्टी की साजिश के तहत कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में मतदान समय में अंतर और मतदान पिछले चुनाव में पांच से घटाकर इस बार दो चरण में करवाए जाने पर भी सवाल उठाए। कल्पना ने गिरिडीह में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा निर्वाचन एजेंसियों पर अपना प्रभाव मजबूत कर रही है। उन्होंने कहा, राज्य में विधानसभा चुनाव समय से पहले कराए जा रहे हैं जबकि महाराष्ट्र में समय पर हो रहा है। झारखंड को अप्रत्याशित रूप से शामिल किया गया। दिलचस्प बात है कि चुनाव पारंपरिक रूप से पांच चरण में होते थे जो अब महज दो चरण में कराए जा रहे हैं, सभी भाजपा की साजिश के तहत हो रहा है। कल्पना ने शहरी क्षेत्रों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान का

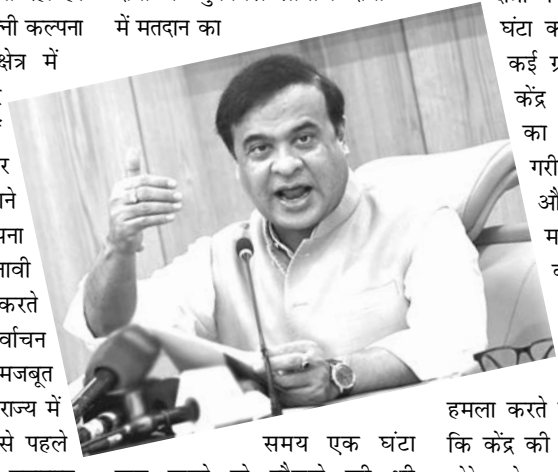

समय एक घंटा कम करने के फैसले की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि इस बदलाव से ग्रामीण मतदाताओं के मतदान में बाधा उत्पन्न होगी, खासतौर पर गरीबों, मजदूरों, किसानों और महिलाओं के लिए मुश्किल होंगी जो आमतौर पर हेमंत सोरेन का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा, ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान का समय एक घंटा कम कर दिया गया है। कई ग्रामीण मतदाता मतदान केंद्र पर पहुंचने में चुनौती का सामना करते हैं। यह गरीबों, किसानों, मजदूरों और महिलाओं को उनके मताधिकार से वंचित करने की कोशिश है जो हेमंत सोरेन के साथ खड़े हैं। कल्पना ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए हुए आरोप लगाया कि केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी ने हेमंत सोरेन को तब कैद करने की कोशिश की जब वह मुख्यमंत्री पद पर आसीन थे। उन्होंने कहा, वे सोरेन को जेल में डालने में सफल नहीं हुए। इसलिए अब उन्होंने हमारे राज्य के आत्म-सम्मान पर हमला करना शुरू कर दिया है। झारखंड की जनता 2024 के विधानसभा चुनाव में माकूल जवाब देने को तैयार है। इस बीच, निर्वाचन आयोग ने ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान का समय घटाने को लेकर झामुमो द्वारा लगाए आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह 'बेबुनियाद और तथ्यों से परे' है। निर्वाचन आयोग के मुताबिक राज्य में 29,562 मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे जिनमें से 24,520 ग्रामीण इलाकों में और 5,042 शहरी क्षेत्र में अवस्थित हैं। झारखंड के मुख्य निर्वाचन

अधिकारी (सीईओ) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के कुल 23,539 मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक मतदान होगा सिवाय 981 नक्सल प्रभावित मतदान केंद्रों के। उन्होंने रेखांकित किया कि 2024 विधानसभा चुनाव में 89 प्रतिशत मतदान केंद्रों पर और 2019 के चुनाव में 63 प्रतिशत केंद्रों पर सुबह सात बजे से अपराह्न तीन बजे तक मतदान का समय निर्धारित किया गया था। सीईओ ने कहा, इस बार आयोग के विशेष प्रयासों के कारण केवल तीन प्रतिशत मतदान केंद्रों पर मतदान का समय सुबह सात बजे से शाम चार बजे तक निर्धारित किया गया है। मतदान का समय चाहे जो भी हो, कतार में लगे सभी मतदाताओं को अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने का अवसर मिलेगा।

बहरहाल, झारखंड में इस बार सियासी लड़ाई बेहद रोचक और कड़ी नजर आ रही है राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी जेएममएम सत्ता बरकरार रखने के लिए पूरी ताकत झोंक रही है, वहीं भाजपा पांच साल बाद सत्ता में वापस करने के लिए पीएम मोदी के चेहरे और महिला वोटर्स पर खासा फोकस कर रही है। झारखंड विधानसभा चुनाव में महिला वोटर गेमचेंजर साबित होने जा रहा है। झारखंड की कुल 81 विधानसभा सीटों पर मतदाताओं की कुल संख्या 2.6 करोड़ है। इनमें 1.29 करोड़ महिलाएं और 1.31 करोड़ पुरुष मतदाता हैं। वहीं झारखंड की कुल 81 विधानसभा सीटों में से 29 विधानसभा सीटों पर महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से अधिक है, उनमे से 27 विधानसभा सीटें आदिवासी समुदाय के लिए रिजर्व हैं। यानी उन सीटों पर आदिवासी समुदाय से ही उम्मीदवार हो सकते हैं। ऐसे में आदिवासी महिलाओं का साधने के लिए मुफ्त का दांव सत्तारूढ़ पार्टी जेएमएम के मुखिया मुख्यमंत्री हेमंत सोरेने ने 'मईया सम्मान योजना' लाकर और भाजपा ने 'गोगो दीदी योजना' लाने का वादा कर दिया है। झारखंड में इस बार चुनाव में महिला वोटर्स पर सभी पार्टियों का बड़ा फोकस है। हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में झारखंड में महिलाओं ने पुरुषों की तुलना में कहीं अधिक अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया था, ऐसे में विधानसभा चुनाव में भी महिला वोटर्स के बड़ी संख्या में वोट करने का अनुमान है। महिला वोटर्स की बड़ी संख्या और विधानसभा चुनाव में उनका रूख यह तय करेगा कि झारखंड में अगली सरकार किसकी होगी। पिछले साल हुए मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा ने जिस 'लाडली बहना योजना' के बल पर सत्ता में प्रचंड बहुमत के साथ वापसी की थी वहीं कार्ड अब मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड के भाजपा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने झारखंड विधानसभा में भाजपा को सत्ता में लाने के लिए खेला है।

दरअसल मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और मोदी सरकार में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को भाजपा हाईकमान ने झारखंड का चुनावी प्रभारी बनाया है। चुनाव की तारीखों के एलान से पहले सोरेन सरकार का मास्टर स्ट्रोक-झारखंड विधानसभा चुनाव में महिला वोटर्स की बड़ी भूमिका को देखते हुए सत्तारूढ़ पार्टी जेएमएम के मुखिया हेमंत सोरेन ने मास्टर स्ट्रोक चलते हुए 'मैया सम्मान योजना' के तहत हर महिला को ढ़ाई हजार रूपए देने का एलान कर दिया। चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले हेमंत सोरेन सरकार की आखिरी कैबिनेट बैठक में 'मैया सम्मान योजना' की राशि में इजाफा कर दिया गया मुख्यमंत्री 'मैया सम्मान योजना' के तहत मिलने वाली 1000 रुपये की राशि बढ़ाकर अब 2500 रुपए कर दी गई। सोरेन सरकार का दावा है कि योजना के तहत राज्य की 17 से 50 साल की करीब 50 लाख महिलाओं को योजना के तहत राशि दी जा रही है और दिसंबर महीने से उन्हें बढ़ी हुई राशि का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। अब उन्हें पूरे साल में कुल 12 हजार रुपये के बदले 30 हजार रुपये दिए जाएंगे। इस योजना का लाभ 53 लाख महिलाओं को होने वाला है। वहीं चुनाव में इस योजना को भुनाने के लिए सरकार की ओर से राज्य के विभिन्न हिस्सों में महिला सम्मान यात्रा भी निकाली गई। वहीं राज्य में सरकार में वापसी की कोशिश में जुटी भाजपा ने 'मैंया सम्मान योजना' के जवाब में 'गोगो दीदी योजना' लाने का ऐलान किया है, जिसके तहत राज्य में पार्टी की सरकार बनने पर प्रतिमाह महिलाओं को 2100 रुपए की राशि देने का वादा किया गया है। गोगो दीदी योजना का अर्थ है मां और दीदी। झारखंड़ के चुनाव प्रभारी और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान कहते है कि हमारी सरकार मध्यप्रदेश में है, वहां लाडली बहना योजना चल रही है, हमारी सरकार महाराष्ट्र में है तो वहां भी लाडली बहीण योजना चल रही है, हमारी सरकार छत्तीसगढ़ में है तो वहां भी महतारी वंदन योजना के तहत बहनों को राशि दी जा रही है। ओडिशा में अभी-अभी सरकार बनी है और वहां भी बहनों के खातों में पैसा डालना शुरू कर दिया गया है। वहीं झारखंड में भाजपा की सरकार बनने पर बहनों के खाते में गोगो दीदी योजना बनाकर 2100 रुपए डाले जाएंगे। वहीं हेमंत सरकार के मईया सम्मान योजना पर निशाना साधते हुए शिवराज सिंह चौहान कहते है कि झारखंड सरकार केवल चुनाव के नजदीक आते ही बहनों को टुकड़ों में पैसा दे रही है। जनता सब समझती और जानती है, इसका जवाब अब चुनाव में जनता ही देगी।

पदयात्रा के दौरान केजरीवाल पर हमला, आरोप भाजपा पर

● संजय सिन्हा

आम आदमी पार्टी ने दावा किया कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल पर पदयात्रा के दौरान हमला किया गया। पार्टी का आरोप है कि भाजपा की ओर से भेजे गए गुंडों ने केजरीवाल पर हमला करने की कोशिश की। वहीं, दिल्ली पुलिस ने हमले की बात से इंकार किया है। पुलिस का कहना है कि इस संबंध में कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। पदयात्रा में जिस तरह लोग माला पहनाने आते हैं उसी तरह भाजपा के कार्यकर्ता माला पहनाने के नाम पर आए फिर अरविन्द केजरीवाल पर हमला कर दिया। इस हमले में केजरीवाल जी को कुछ भी हो सकता था। वही दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि भाजपा ने अरविन्द केजरीवाल पर विकासपुरी की पद यात्रा में हमला करवाया। पहले अरविंद केजरीवाल पर फर्जी केस किया, उनको गिरफ्तार किया, उनकी इन्सुलिन रोक कर उनको मारने की साजिश रची और जब कोर्ट ने रिहा कर दिया तो भाजपा अपने गुंडों से हमला करवा रही है। उन्होंने कहा कि मैं बीजेपी से कहना चाहती हूं कि अगर अरविंद केजरीवाल

जी को कुछ भी हुआ तो दिल्ली के लोग बीजेपी से जरूर बदला लेंगे। क्योंकि केजरीवाल दिल्लीवालों के लिए सिर्फ एक नेता नहीं, बल्कि उनके बेटे-उनके भाई भी हैं। आतिशी ने कहा कि हर बार केजरीवाल पर हमला करने वाला बीजेपी का ही निकलता है और बीजेपी पुलिस को कोई एक्शन नहीं लेने देती क्योंकि ऐसा करने से बीजेपी की पोल खुल जाएगी। मैं बीजेपी को चैलेंज करती हूं कि तुम केजरीवाल को चाहे जेल में डालो या हमला करवाओ, तुम उन्हें चुनाव में नहीं हरा सकते। वही दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम और आप नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि अरविंद केजरीवाल पर हुआ हमला बेहद निंदनीय और चिंताजनक है। यह साफ है कि भाजपा ने अपने गुंडों से यह हमला कराया है। अगर अरविंद केजरीवाल को कुछ होता है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी भाजपा पर होगी। हम डरने वाले नहीं हैं। आम आदमी पार्टी अपने मिशन पर डटी रहेगी।

गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी ने अपने संयोजक अरविंद केजरीवाल की हत्या की गहरी साजिश का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि अगर उन्हें कुछ भी हुआ तो इसके लिए भाजपा जिम्मेदार होगी। आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने आरोप लगाया, घटना में पुलिस की मिलीभगत साफ तौर पर केजरीवाल की हत्या की गहरी साजिश को दर्शाती है। आप नेताओं ने आरोप लगाया कि पश्चिमी दिल्ली के विकासपुरी में पदयात्रा के दौरान केजरीवाल पर भाजपा के गुंडों ने हमला किया। आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने आरोप लगाया, घटना में पुलिस की मिलीभगत साफ तौर पर केजरीवाल की हत्या की गहरी साजिश को दर्शाती है। भाजपा उनकी जान की दुश्मन बन गई है। सिंह के आरोपों पर पुलिस या भाजपा की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी है। आप नेता ने कहा कि विकासपुरी की घटना के बावजूद केजरीवाल तय कार्यक्रम के अनुसार पदयात्रा अभियान जारी रखेंगे। जब उनसे पूछा गया कि पार्टी ने इस घटना के संबंध में कोई शिकायत क्यों नहीं दर्ज कराई, तो सिंह ने कहा कि अगर पुलिस निष्पक्ष होती और उसके अधिकारी हमलावरों के समूह को रोकने के लिए कुछ करते तो यह घटना नहीं होती। उन्होंने दावा किया कि हमलावर भाजपा की युवा शाखा के थे। आप नेता ने कहा कि पुलिस घटना का संज्ञान लेकर जांच कर सकती है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी इस मामले में आगे की कार्रवाई के लिए कानूनी सलाह ले रही है। आप सांसद ने आरोप लगाया कि भाजपा नेता केजरीवाल पर हमला करने वालों का समर्थन कर रहे हैं।

धमाके से दहला दिल्ली का प्रशांत विहार का इलाका

● संजय सिन्हा

दिल्ली के रोहिणी में प्रशांत विहार इलाके में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के स्कूल के पास धमाके से 20 अक्टूबर को हड़कंप मच गया। पुलिस, एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची। प्रशांत विहार इलाके में धमाके की तेज आवाज से हड़कंप मच गया। यह धमाका स्कूल की दीवार के पास हुआ। धमाके के बाद धुएं का एक बड़ा गुबार दिखाई दिया। इससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। धमाका इतना तेज था कि पास की दुकानें के साइन बोर्ड टूट गए, पास खड़ी एक कार के शीशे फूटने की भी खबर है। हालांकि धमाके में किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है। दमकल विभाग के अनुसार, सुबह करीब 7.50 बजे दमकल विभाग को घटना की जानकारी मिली। इस पर 2 दमकल गाड़ियों को तुरंत मौके पर भेजा गया। धमाके के बाद दमकल विभाग की गाड़ियां, बम निरोधक दस्ता और पुलिस की फोरेंसिक टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। धमाके में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। डीएफएस के अधिकारियों ने बताया कि हमें सीआरपीएफ स्कूल की एक दीवार के पास सुबह 7 बजकर 50 मिनट पर धमाका होने की सूचना मिली थी। जिसके बाद हमने तुरंत दमकल की दो गाड़ियों को मौके पर भेजा। धमाका होने के कारण आग नहीं लगी है और न ही कोई घायल हुआ है। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा और विशेष प्रकोष्ठ सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद रहे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमारी फोरेंसिक टीम और अपराध इकाई घटनास्थल से नमूने एकत्र करने के लिए मौके पर मौजूद है। एक पटाखे के कारण यह धमाका हो सकता है, लेकिन हम इस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि वे घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने कहा कि धमाका होने से स्कूल की दीवार क्षतिग्रस्त पाई गई और वहां दुर्गंध आ रही थी। थाना प्रभारी/पीवी और अन्य कर्मी मौके पर मौजूद हैं। पास की दुकान और दुकान के पास खड़ी कार के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि बम निरोधक दस्ता और पुलिस की एक फोरेंसिक टीम विस्फोट होने के कारण का पता लगाने के लिए मौके पर पहुंची। डॉग स्क्वाड ने भी मौके का मुआयना किया। कुछ ही देर बाद एनएसजी की टीम भी विस्फोट स्थल पर पहुंची और पूरे स्पॉट अपने कब्जे में ले लिया। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। इस घटना के बाद दिल्ली पुलिस, एनएसजी समेत कई जांच एजेंसियां मामले की जांच में जुट गई। पुलिस की ओर से कहा गया है कि इस मामले में दीवाली से पहले किसी आतंकी साजिश से इनकार नहीं किया जा सकता। बताया जा रहा है कि धमाके वाली जगह जांच एजेंसियों को सफेद पाउडर मिला है। इसकी जांच की जा रही है। धमाके पर गृह मंत्रालय ने भी दिल्ली पुलिस से रिपोर्ट मांगी है।

Omar Abdullah sworn in as J&K Chief Minister; Congress opts out of govt, to support from outside

National Conference Vice President Omar Abdullah was sworn in as the first Chief Minister of Jammu and Kashmir Union Territory on Wednesday. The oath of office was administered by the Lieutenant Governor Manoj Sinha at Sher-e-Kashmir International Convention Centre (SKICC) Srinagar. Surindar Kumar Choudhary was sworn in as the Deputy Chief Minister of Jammu and Kashmir Union Territory. The Lt Governor also administered the oath of office to four Cabinet Ministers of the new government, including Satish Sharma, Sakina Itoo, Javid Ahmad Dar, and Javid Rana. Congress did not join the ministry and extended the support to the Omar Abdullah-led government in Jammu and Kashmir. The Jammu and Kashmir Pradesh Congress Committee (JKPCC) Chief Tariq Hameed Karra on Wednesday said, “We are unhappy; therefore, we are not joining the ministry at the moment." The JKPCC Chief added, “The Congress Party shall continue to fight for the restoration of statehood.” The Congress Party has strongly demanded from the Centre to restore statehood to Jammu and Kashmir, as the Prime Minister has time and again in public meetings promised the same. But the statehood has not been restored to J&K, Karra said. Among others, Congress President Mallikarjun Kharge, Leader of Opposition in Lok Sabha and Congress leader Rahul Gandhi, Priyanka Gandhi, Samajwadi Party President Akhilesh Yadav, CPI leader D Raja, former Raw Chief A S Dulat, Farooq Abdullah, Prof. Saif-ud-Soz, and several political and government officials attended the ceremony. Jammu and Kashmir gets the first Chief Minister in a decade and after the abrogation of special status to the erstwhile state under Article 370 and 35A on August 5, 2019.

The elections to the Jammu and Kashmir Union Territory were held in three phases from September 18, 25, and October 1, and the results were declared on October 8, in which the National Conference bagged 42 seats, followed by Bharatiya Janata Party 29, Congress

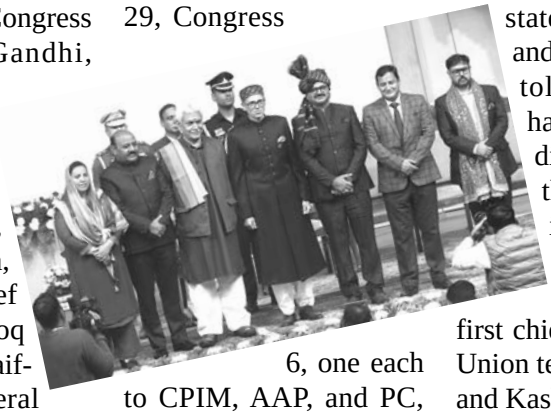

6, one each to CPIM, AAP, and PC, and 7 independents also made it to the new assembly. The National Conference, which is a partner of the INDIA alliance, contested the election in alliance with the Congress in Jammu and Kashmir. Earlier, ahead of the swearing-in ceremony, Omar hoped that the status of a union territory was a temporary one. “We look forward to working in cooperation with the central government to resolve the people’s problems, and the best way to do that would be to start by restoring statehood to Jammu and Kashmir," Omar told the media. "I have some strange distinctions. I was the last chief minister to serve a full six-year term. Now I'll be the first chief minister of the Union territory of Jammu and Kashmir, Omar said. Omar also visited the grave of his grandparents at the banks of Dal Lake Naseem Bagh to pay tributes and paid obeisance at the revered Hazratbal Shrine before taking oath of office as Chief Minister.

जम्मू कश्मीर में फिर मजदूर पर फायरिंग

क्यों निशाने पर हैं दूसरे राज्य के लोग?

जम्मू कश्मीर में दूसरे राज्यों से आकर काम करने वालों पर हमले का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में आतंकियों ने मजदूरों पर हमला किया था। इसके बाद फिर से हमला हुआ है जिसमें एक मजदूर घायल हो गया। दरअसल, गगनगीर, सोनमर्ग के बाद अब दक्षिण कश्मीर के बटगुंड त्राल में यूपी के एक और गैर-स्थानीय मजदूर प्रीतम सिंह को गोली मार दी गई। हालांकि मजदूर को मामूली चोटें आई हैं। ताजा हमले के उपरांत न सिर्फ प्रवासी नागरिकों में दहशत का माहौल है बल्कि उन कश्मीरी पंडितों में भी डर पैदा हो गया है जो प्रधानमंत्री रोजगार योजना के तहत कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में तैनात हैं। अधिकारियों ने बताया कि आतंकियों ने दक्षिण कश्मीर के बटगुंड त्राल इलाके में उत्तर प्रदेश के एक प्रवासी नागरिक प्रीतम सिंह को गोली मार कर जख्मी कर दिया। हालांकि उसकी अंगुली में गोली लगी है जिस कारण पुलिस इसे गंभीर हमला नहीं मान रही है। लेकिन इतना जरूर था कि हमले के बाद पहले से ही गगनगीर हमले से डरे हुए प्रवासी नागरिकों व कश्मीर के विभिन्न इलाकों में प्रधानमंत्री रोजगार योजना पैकेज के तहत नौकरी कर रहे कश्मीरी पंडित भी डर गए हैं। इन हमलों के चलते कश्मीर से प्रवासी श्रमिकों व नागरिकों का पलायन तेज हुआ है। पर पुलिस व नागरिक प्रशासन किसी प्रकार के पलायन से इंकार करते हैं। पर जम्मू बस अड्डे और रेलवे स्टेशन पर प्रवासी श्रमिकों की भीड़ कुछ और ही दृश्य बयां करती है। यह भी सच है क सोनमर्ग के गगनगीर में 6 प्रवासियों समेत सात लोगों की हत्याएं कश्मीर में पहली बार नहीं हुई हैं। कश्मीर में जबसे आतंकवाद फैला

है प्रवासी नागरिक हमेशा ही आतंकियों के निशाने पर इसलिए रहे हैं क्योंकि आतंकियों की नजर में ये प्रवासी कश्मीर की डेमोग्राफी को बदलने की कथित साजिश के तहत कश्मीर में आ रहे हैं। ऐसा भी नहीं है कि 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 को हटा कर जम्मू कश्मीर के दो टुकड़े कर उसे केंद्र शासित प्रदेश में बदल दिए जाने की कवायद के बाद ऐसे हमलों और हत्याओं में कोई कमी आई हो बल्कि यह अनवरत रूप से जारी हैं। यह सच है कि आतंकी हमले के बाद वहां प्रवासी मजदूरों में डर का माहौल है और वो जल्द से जल्द अपने घर जाना चाहते हैं। जम्मू कश्मीर के गंदरबल में हुए आतंकी हमले के बाद से वहां के प्रवासी मजदूर खुद को असुरक्षित और भयभीत महसूस कर रहे हैं। मिलने वाली खबरें कहती हैं कि इसके बाद से बिहार और देश के अन्य राज्यों के मजदूरों ने कश्मीर को छोड़ना शुरू कर दिया है। हालांकि कश्मीर पुलिस का दावा है कि सोशल मीडिया पर चल रही ऐसी खबरें झूठी हैं जिनमें दावा

किया जा रहा है कि स्थानीय प्रशासन ने गैर-स्थानीय श्रमिकों को कश्मीर छोड़ने के लिए कहा है। जम्मू कश्मीर पुलिस ने ट्विटर पर लिखा है कि सभी व्यक्तियों को बिना किसी डर या भय के अपनी आजीविका चलाने के लिए सुरक्षा और सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने के लिए वह प्रतिबद्ध है। आम जनता को सलाह दी जाती है कि वे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर ऐसी झूठी सूचनाओं पर ध्यान न दें। वही उमर अब्दुल्ला सरकार के बनने के बाद ही आतंकियों ने इस तरह के दो हमले किए। 20 अक्टूबर की देर रात गांदरबल के गगनगीर इलाके में आतंकवादियों ने गैर कश्मीरियों पर गोलियों की बौछार कर दी थी। अंधाधुंध फायरिंग में टनल में काम करने वाले 6 लोगों की मौत हो गई थी। इसके अलावा इस हमले में एक डॉक्टर की भी मौत हुई थी। इस हमले में 7 लोगों की मौत हुई थी। इसमें से अधिकतर बाहरी लोग थे। बता दें कि शोपियां इलाके में आतंकवादियों ने एक गैर-स्थानीय व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी थी। मृतक की पहचान बिहार निवासी अशोक चौहान के रूप में हुई थी, जो इलाके में मकई बेचता था। इस तरह के हमलों की उमर अब्दुल्ला सरकार ने निंदा की है। सीएम का कहना है कि इससे राज्य में दहशत फैलाने की कोशिश की जा रही है। गांदरबल में हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली थी। यह संगठन लश्कर-ए-तैयबा का ही एक दूसरा विंग बताया जा रहा है। इस संगठन के मुखिया पाकिस्तान में बैठकर घाटी में दहशत फैलाने की साजिश रचते हैं। पाकिस्तान इस आतंकी संगठन को फंडिंग भी करता है।

Vinesh Phogat: Can former wrestling champion make it in politics?

Indian wrestling star Vinesh Phogat believes that to bring about real change, she must engage in politics with the same energy and determination as she displayed on the wrestling mat. "Politics is in every sphere of life," the 30-year-old athlete told DW, adding that it was important for her to enter the political arena.

Fighting for women's safety

Phogat, a triple Commonwealth Games gold medalist, has been a leading figure in protests demanding action against Brij Bhushan Sharan Singh, a powerful politician and former head of the Wrestling Federation of India (WFI). Phogat and other top wrestlers, including Olympic bronze medalist Sakshi Malik, staged monthslong demonstrations in the Indian capital New Delhi, accusing Singh of sexual harassment and intimidation of female athletes. "I see this opportunity as a time to give back to society, especially for those who continue to suffer exploitation and abuse," Phogat said. "Women and athletes who agonize and continue to do so because of harassment, see me as one who can give them a voice. They have expectations and it is this desire which keeps me going. It was a necessity," the Indian Olympic wrestling star said. In May, a Delhi court charged Singh, a member of Indian Prime Minister Narendra Modi's ruling Bharatiya Janata Party (BJP), with sexual harassment and criminal intimidation. Singh denied the allegations and pleaded not guilty.

Disqualification from Paris Olympics

Phogat retired from wrestling after she was disqualified ahead of the 2024 Paris Olympics women's 50-kilogram freestyle final after failing to meet the weight requirement. Previously, shehad been confident of scoring a gold medal in the Paris event. Just as today she is positive about her chances in the electoral ring. Phogat is a member of India's main opposition Congress party and recently represented the Julana constituency in legislative elections that took place in the northern Indian state of Haryana on October 5. Her main opponent was Kavita Dalal from the Aam Aadmi Party (AAP), who was the first Indian professional woman wrestler to compete in

World Wrestling Entertainment (WWE). She also faced off against the BJP's Yogesh Bairagi, a former commercial pilot. Exit polls have predicted a landslide win for Phogat. Final results are due on Tuesday. Still keeping the fighter in her alive, Phogat believes there are several similarities between wrestling and politics. "Self-belief, patience and hard work have carried me in good stead for the 24 years that I have been wrestling. It is as if my higher power wants me to carry these qualities into a different sphere and I want to test them," she said.

Empowering women through sport

Phogat has also made a name for herself highlighting everyday misogyny and the rampant sexual harassment that some athletes face. She told DW that there are many sportswomen who are afraid to speak out due to fear of reprisals and are backing her. "I will be just a call away if there is trouble," she said. She says it is a challenge for females in Haryana to break into male-dominated sports like wrestling. The skewed sex ratio in the region and deeply ingrained patriarchy make it even harder. However, in recent years, wrestling has gained popularity among women in India, thanks to successes at the Olympics, Commonwealth Games and Asian Games.

Overcoming barriers in life and sport

"The people have shown me a lot of love and affection in this election, and I am determined to fight for them," Phogat said. "A lot of women and players came out for voting. It will be an early Diwali for them if I win," said Phogat, jokingly, referring to the Hindu festival of lights. She refused to speculate if she would be made the state's sports minister, if she won. "That is in the hands of the party and the public," she said, adding that if it had been within her reach she would have wanted a gold medal in the Olympics. "We have a responsibility and unless you are in power, nothing can be done."

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

● अमित कुमार

लाडवा से भाजपा विधायक नायब सिंह सैनी ने पंचकूला में आयोजित एक समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत राजग के कई नेता शामिल हुए। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने अंबाला छावनी से विधायक अनिल विज, इसराना से विधायक कृष्ण लाल पंवार, बादशाहपुर से विधायक राव नरबीर सिंह, तोशाम से विधायक श्रुति चौधरी, अटेली से विधायक आरती सिंह राव और रादौर से विधायक श्याम सिंह राणा समेत 13 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई। उत्तर प्रदेश, असम, मेघालय और आंध्र प्रदेश सहित कई राजग शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और अमित शाह भी इस अवसर पर मौजूद रहे।

समारोह से कुछ घंटे पहले सैनी वाल्मीकि भवन गए और उन्होंने पंचकूला स्थित गुरुद्वारे एवं मनसा देवी मंदिर में पूजा-अर्चना की। सैनी ने संवाददाताओं से कहा कि भाजपा की नयी सरकार प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हरियाणा को तीव्र गति से आगे ले जाने की दिशा में काम करेगी। उन्होंने विधानसभा चुनाव के नतीजों को लेकर कहा कि हरियाणा की जनता ने मोदी सरकार की नीतियों में विश्वास दिखाया है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि भाजपा के संकल्प पत्र को पूरी तरह लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे 2024 के संकल्प पत्र और 2019 के संकल्प पत्र को देखें, हमने उन्हें पूरी तरह से लागू किया और अब हमारी सरकार इस संकल्प पत्र को भी लागू करेगी।

हरियाणा में 5 अक्टूबर को हुए चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 90 सदस्यीय विधानसभा में 48 सीट जीतकर राज्य में ऐतिहासिक तीसरा कार्यकाल हासिल किया। हिसार से विधायक सावित्री जिंदल समेत तीन निर्दलीय विधायकों ने भी पार्टी को समर्थन दिया। वहीं कांग्रेस ने 37 सीट पर जीत दर्ज की। सैनी ने दत्तात्रेय से मुलाकात की थी। उन्होंने पंचकूला में पार्टी कार्यालय में आयोजित एक बैठक में सर्वसम्मति से भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद अगली सरकार बनाने का दावा पेश किया था। हरियाणा में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने के साथ-साथ सैनी ने दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। पार्टी के ओबीसी चेहरे सैनी ने मार्च में मनोहर लाल खट्टर की जगह हरियाणा के मुख्यमंत्री का पद संभाला था। उन्होंने कुरुक्षेत्र जिले की लाडवा विधानसभा सीट से 16,054 मतों के अंतर से जीत दर्ज की।

हरियाणा में जब भारतीय जनता पार्टी ने सत्ता विरोधी लहर को मात देने के लिए मार्च में नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री चुना तो कई राजनीतिक पंडितों का मानना था कि सिर्फ नेतृत्व परिवर्तन ही चुनाव

जीतने के लिए काफी नहीं होगा लेकिन सुर्खियों से दूर रहने वाले और अन्य पिछड़ा वर्ग के इस नेता ने राज्य में अपनी पार्टी को जीत दिलाकर अपने आलोचकों को गलत साबित कर दिया। सैनी को मार्च में कद्दावर नेता मनोहर लाल खट्टर के स्थान पर प्रदेश की सत्ता की कमान सौंपी गई थी। उस समय भाजपा आलाकमान के इस फैसले ने जनता के साथ ही राजनीतिक पंडितों को भी चौंका दिया था। सैनी ने बड़ी चतुराई से अपने और अपनी पार्टी के बारे में जनता की धारणा बदल दी जबकि कई लोगों का मानना था कि चुनाव में कांग्रेस की जीत होगी। सैनी ने पंचकूला में आयोजित एक समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के कई नेता शामिल हुए। भाजपा ने 90 सदस्यीय विधानसभा में 47 सीट जीतीं। हिसार से विधायक सावित्री जिंदल समेत 3 निर्दलीय विधायकों ने भी पार्टी को समर्थन दिया है।

बताते चले कि अंबाला के मिर्जापुर माजरा गांव में 25 जनवरी 1970 को जन्मे सैनी 2014 से 2019 के बीच खट्टर कैबिनेट में मंत्री रह चुके हैं। पिछले 3 दशक में सैनी राज्य भाजपा में तेजी से उभरे। वह हरियाणा भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष और महासचिव के पद पर रहे। वह 2002 में राज्य भाजपा युवा शाखा के अंबाला जिले के महासचिव और 3 साल बाद जिला अध्यक्ष बने। वह 2024 में नारायणगढ़ निर्वाचन क्षेत्र से हरियाणा विधानसभा और 2019 में कुरुक्षेत्र सीट से लोकसभा के लिए चुने गए। पार्टी ने ओबीसी समुदाय और गैर-जाट समुदायों पर अपनी पकड़ मजबूत करने के प्रयास में अक्टूबर 2023 में सैनी को भाजपा की हरियाणा इकाई प्रमुख के रूप में नियुक्त किया था। भाजपा ने सैनी के मुख्यमंत्री बनने के बाद मोहन लाल बड़ौली को जुलाई में पार्टी की राज्य इकाई का प्रमुख चुना। सैनी को भाजपा की हरियाणा इकाई के अध्यक्ष पद से मार्च में ऐसे समय में मुख्यमंत्री

के रूप में पदोन्नति मिली थी, जब पार्टी खट्टर के साढ़े नौ साल के शासन के बाद सत्ता विरोधी लहर का सामना कर रही थी। इतना ही नहीं, विपक्ष किसानों, बेरोजगारी, अग्निपथ योजना, महंगाई और कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर भाजपा सरकार को चारों ओर से घेरने में लगा था। मार्च में खट्टर के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद उनकी करनाल विधानसभा सीट खाली हो गई थी। मई में लोकसभा चुनाव के साथ ही हुए उपचुनाव में सैनी ने कांग्रेस उम्मीदवार तरलोचन सिंह को हराकर यह सीट जीती थी। नायब सिंह सैनी को कुर्सी पर बैठे कुछ ही दिन हुए थे कि लोकसभा चुनाव की घोषणा के चलते लागू आदर्श आचार संहिता और फिर विधानसभा चुनावों की घोषणा के कारण सैनी को जनता का रुख भाजपा के पक्ष में करने के लिए केवल दो महीनों का ही समय मिला लेकिन सैनी तुरंत काम में लग गए और उनकी कैबिनेट ने कुछ महत्वपूर्ण फैसले किए। इनमें से प्रमुख थे- सशस्त्र बलों में अपनी सेवा पूरी करने के बाद अग्निवीरों को रोजगार और उद्यमिता के अवसर प्रदान करने के लिए हरियाणा अग्निवीर नीति, 2024 को मंजूरी देना और न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 10 और फसलें खरीदने के प्रस्ताव को स्वीकृति देना। इसके साथ ही हरियाणा 24 फसलें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदने वाला एकमात्र राज्य बन गया। भाजपा ने 'हर घर गृहिणी योजना' के तहत 500 रुपए में रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने का भी वादा किया। पार्टी के चुनावी घोषणा पत्र में महिलाओं के लिए 2100 रुपए की मासिक वित्तीय सहायता, युवाओं के लिए दो लाख सरकारी नौकरियां और हरियाणा के अग्निवीरों के लिए सरकारी नौकरियों की गारंटी जैसे कई अन्य वादे किए गए। भाजपा ने मतदाताओं को हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना जैसे राज्यों में चुनावी वादों को पूरा करने में कांग्रेस की 'विफलता' के बारे में भी बताया। 'एग्जिट पोल' को कोई तवज्जो नहीं देते हुए सैनी ने दावा किया था कि भाजपा हरियाणा में लगातार तीसरी बार सत्ता पर कब्जा बरकरार रखेगी। सैनी ने 6 अक्टूबर को कहा था कि 8 तारीख को जनता देगी जवाब, ये (कांग्रेस) कहेंगे, ईवीएम है खराब। सैनी ने अपने निकटतम कांग्रेस प्रतिद्वंद्वी मेवा सिंह के खिलाफ लाडवा विधानसभा सीट पर 16,054 वोटों के अंतर से जीत ली। भाजपा ने अपनी परंपरा से हटकर घोषणा की थी कि विधानसभा चुनावों के बाद अगर पार्टी हरियाणा में सत्ता में लौटती है तो सैनी ही मुख्यमंत्री बने रहेंगे, जबकि पूर्व मंत्री अनिल विज ने भी अपनी दावेदारी पेश की थी। सैनी को भाजपा विधायकों की बैठक में सर्वसम्मति से हरियाणा में भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया और विज उन लोगों में शामिल थे जिन्होंने उनके नाम का समर्थन किया।

बहराइच की बर्बरता

अंतिम संस्कार में भाई नहीं दे पाया शव, माँ-पत्नी बदहवास

● संजय सिन्हा

उत्तर प्रदेश के बहराइच में हुई हिंसा के दौरान मारे गए रामगोपाल मिश्रा को सिर्फ गोली ही नहीं मारी गई, बल्कि हत्यारों ने उनके साथ भयावह बर्बरता की। उनका गला धारदार हथियार से काटा गया। उनके हाथ पैर के नाखूनों को प्लायर से उखाड़ दिया गया। बता दें कि रामगोपाल मिश्रा के शव पर गोलियों के 65 छर्रे मिले हैं। जबकि पैरों पर धारदार हथियार के गहरे घाव मिले हैं। अंतिम संस्कार के पहले जब उनके भाई हरि मिलन मिश्रा शव को स्नान करा रहे थे, उस दौरान उन्हें रामगोपाल मिश्रा के साथ हुई बर्बरता के भयावह निशान नजर आए।

बता दें कि बहराइच में 13 अक्टूबर 2024 को मूर्ति विसर्जन यात्रा के दौरान महाराजगंज में दो गुटों के बीच हुई हिंसा में एक 22 साल के युवक रामगोपाल मिश्रा की दर्दनाक मौत हो गई। यहां पथराव, फायरिंग और आगजनी की घटना हुई। इस दौरान इस्लामी कट्टरपंथियों ने बेहद बर्बरता के साथ रामगोपाल मिश्रा की हत्या कर डाली। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के हवाले से मीडिया की कई रिपोर्ट में मिश्रा के साथ हुई बर्बरता की बात सामने आई है। हरि मिलन मिश्रा ने बताया कि उनके भाई के गले पर 3 गोलियां मारी गई। सीने पर गोलियों के 6 निशान थे। गर्दन को एक जगह किसी धारदार हथियार से काटा गया था। चेहरे के कुछ हिस्से पर तलवारों के निशान थे। रामगोपाल के पैरों पर भी तलवार चलाई गई थी। दावा किया जा रहा है कि उन्हें अब्दुल हमीद के घर में खींच लिया गया और वहां उनके साथ बर्बरता की गई। हमीद के अलावा सरफराज, फहीम और साहिर खान जैसे नाम इस हत्याकांड में नामजद हैं। रामगोपाल मिश्रा के परिवार से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की और न्याय की मांग की है। रामगोपाल मिश्रा के परिवार

ने योगी सरकार से न्याय की गुहार लगाते हुए खून के बदले खून की मांग की है। करीब तीन महीने पहले रामगोपाल की शादी हुई थी। उन्होंने पत्नी रोली मिश्रा से लव मैरिज की थी। मीडिया में पत्नी रोली मिश्रा के बयान बता रहे हैं कि उनके पति को जानवरों की तरह मारा गया। रोली मिश्रा चाहती हैं कि उनके पति के कातिलों को भी ठीक इसी तरह मारा जाए। रामगोपाल की मां अपने बेटे की हालत देखकर बदहवास हैं। रिपोर्ट में स्थानीय लोगों ने दावा किया है कि अगर पुलिस तलाशी ले तो घटनास्थल के आसपास के कई घरों में एके-47 बरामद हो सकती है। वही बहराइच की पुलिस अधीक्षक आईपीएस वृंदा शुक्ला के मुताबिक जिस घर से गोली चलाई गई है, उसके मालिक का नाम सलमान है। इस घटना में फिलहाल 16 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। रामगोपाल

मिश्रा की हत्या जिस जुलूस में हुई, उसके साथ पुलिस बल चल रहा था। जिस महराजगंज इलाके में यह विवाद हुआ, वह मुस्लिम बहुल है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपद्रवियों से सख्ती से निबटने के साथ ही इस पूरे मामले में कड़ी कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

बहरहाल, उत्तर प्रदेश के बहराइच में दो दिनों हिंसा जारी रहा। इस बीच बहराइच की आईपीएस अधिकारी वृंदा शुक्ला की चर्चा हो रही है। दरअसल, वृंदा शुक्ला बहराइच में एसपी के पद पर तैनात हैं। इस हिंसा के दौरान वे सीधे दंगाइयों से भिड़ गईं थीं। इसके पहले मुख्तार अंसारी से पंगा लेने की वजह से भी वे चर्चा में आई थी। बता दें कि दुर्गा मां के विसर्जन जुलूस के दौरान जो हिंसा बहराइच में भडकी थी, इस दौरान इस जिले में लॉ एंड ऑर्डर की कमान बहराइच की एसपी वृंदा शुक्ला के हाथों में है। वृंदा शुक्ला 2014 बैच की आईपीएस अधिकारी हैं। मूल रूप से हरियाणा के पंचकूला की रहने वाली वृंदा का जन्म 13 मार्च 1989 को हुआ था। महिंद्रा यूनाइटेड वर्ल्ड कॉलेज ऑफ इंडिया से ग्रेजुएशन करने के बाद वृंदा लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड सोशल साइंस से पोस्ट ग्रेजुएट की पढ़ाई कीं। पढ़ाई पूरी करने के बाद वृंदा ने कुछ समय तक अमेरिका के एक कंपनी में काम भी किया। लेकिन काम में उनका मन नहीं लगा तो वो भारत आ गई और सिविल सर्विसेज में जाने का

फैसला किया। वृंदा शुक्ला अपने दूसरे अटेम्प्ट में सफल हुईं थीं। उनको आईपीएस कैडर भी मिला। पहले उन्हें नागालैंड कैडर मिला था। इसके बाद साल 2022 में उन्हें यूपी कैडर दे दिया गया। वृंदा शुक्ला इससे पहले उस समय चर्चा में आई थीं जब उन्होंने पूर्वांचल के बाहुबली माने जाने वाले मुख्तार के परिवार पर शिकंजा कसा था। बता दें कि पिछले साल 2023 में वृंदा शुक्ला चित्रकूट की एसपी थी। उस दौरान चित्रकूट जेल में ही मुख्तार का बेटा अब्बास अंसारी बंद था। मुख्तार की बहू अब्बास से मिलने जेल में आती रहती थी। जिसकी भनक जिले के कप्तान को नहीं थी। जानकारी के अनुसार मुख्तार की बहू निखत अंसारी जेल में जाने के बाद करीब 4-5 घंटे रहती थी। इसके साथ ही वो कोई रजिस्टर में एंट्री भी नहीं करती थी। इसके अलावा उसके पास मोबाइल भी रहता था। कुछ समय बाद इस बात की जानकारी एसपी वृंदा शुक्ला को हुई। जिसके बाद जिले के कलेक्टर अभिषेक आनंद के साथ प्लान बनाकर जेल का औचक निरीक्षण किया तो पूरी कहानी सामने आ गई और इसी दौरान निखत अंसारी गिरफ्तार भी हुई थी। इस घटना के बाद वृंदा शुक्ला की खूब चर्चा हुई थी।

DISGUSTING!

Family, suffering from liver problem, catches maid mixing her urine in dough to make rotis

A very shocking yet shameful incident has come to light in Ghaziabad, Uttar Pradesh. A domestic help was mixing urine in the food she cooked for her employer's family. Gradually the whole family fell ill. Following suspicion, the house owner discreetly placed a mobile phone in the kitchen to record the events and the disgusting act caught on camera. The incident was reported from Crossings Republik area. The businessman's family had been suffering from liver issues for several days. Despite seeking medical treatment, their condition did not improve. This prompted the businessman to hid the mobile phone in the kitchen and left it on recording. Upon reviewing the footage on Monday, the family was horrified to discover that their maid Reena contaminated their food with urine. Following this, the businessman filed a complaint with the police, requesting action against the accused. The video is now going viral on the social media. In the viral clip, the maid can seen urinating in a vessel first and then she used the same vessel for kneading dough. The businessman said that he had never suspected Reena, who had been working for them for the past 8 years. He also mentioned that despite a previous theft incident in the house, he had never doubted her.

पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या

मुंबई में पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की 12 अक्टूबर की रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोपियों ने उनके विधायक बेटे जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर उन्हें गोली मार दी थी। उन्हें तुरंत लीलावती अस्पताल ले जाया गया था। जहां उन्हें चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। बता दें कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने इस हत्याकांड की पूरी जिम्मेदारी ली है। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड से महाराष्ट की राजनीति में सुनामी आ गई है। कानून-व्यवस्था को लेकर विपक्ष शिंदे सरकार पर निशाना साध रहा है। लॉरेंस बिश्नोई ने बाबा सिद्दीकी को मारने की जिम्मेदारी ली है। हालांकि इसे लेकर कई बातें सामने आ रही हैं। 12 अक्टूबर की रात को एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी पर 3 शूटर्स ने 6 राउंड फायरिंग की थी। हमले में उनके बेटे विधायक बेटे जीशान सिद्दीकी बाल-बाल बच गए थे। महाराष्ट्र जैसे राज्य में जहां राजनीतिज्ञ और बिल्डर्स के बीच घनिष्ठ संबंध हैं, जहां कई राजनीतिज्ञ बिल्डर हैं। बाबा सिद्दीकी रियल एस्टेट कारोबार में एक सफल व्यवसायी के रूप में जाने जाते थे। पिछले दो दशकों में उन्हें बांद्रा के रियल एस्टेट किंग के रूप में जाना जाता था। ऐसे में बाबा सिद्दीकी हत्या के बीच एक बड़े कारोबारी के नाम की चर्चा भी हो रही है। खबरें हैं कि एसआरए प्रोजेक्ट को लेकर हुए विवाद के चलते हुई है। मीडिया खबरों के अनुसार शुरुआती जांच में पुलिस स्लम पुनर्वास प्राधिकरण (एसआरए) परियोजना पर विवाद के एंगल पर जांच कर रही है। बता दें कि एसआरए झुग्गी बस्तियों की पहचान करने और झुग्गी पुनर्विकास कार्यों को शुरू करने की एक योजना है। ईडी जांच कर रही थी कि महाराष्ट्र हाउसिंग और एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (2000 से 2004 तक) का चेयरमैन रहते हुए क्या बाबा सिद्दीकी ने अपने पद का गलत इस्तेमाल किया था? 2018 में बाबा सिद्दीकी पर कार्रवाई करते हुए ईडी ने बांद्रा वेस्ट में स्थित 462 करोड़ की संपत्ति को अटैच किया था। बाबा सिद्दीकी पर पिरामिड डेवेलपर्स को स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी प्रोजेक्ट में मदद का आरोप

लगा था। यह घोटाला लगभग 2000 करोड़ रुपए का था। इसके बाद अब पुलिस जांच कर रही है कि बाबा सिद्दीकी की हत्या के पीछे एसआरए प्रोजेक्ट तो नहीं है। वही शाहिद बलवा का नाम भी इसमें सामने आ रहा है। बलवा का नाम 2जी स्पेक्ट्रम घोटाले में आया था, उन्हें 2011 में गिरफ्तार भी किया गया था। हालांकि किसी भी जांच एजेंसी ने अभी तक कारोबारी शाहिद बलवा के नाम की पुष्टि नहीं की है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि पुलिस सभी एंगल से जांच कर रही है। ज्ञात हो कि पिछले 6-8 महीनों से सिद्दीकी और उनके विधायक बेटे जीशान सिद्दीकी बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में दो झुग्गी पुनर्विकास परियोजनाओं, संत ज्ञानेश्वर नगर और भारत नगर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। अगस्त में, जीशान ने सरकारी अधिकारियों को झुग्गी बस्ती का सर्वेक्षण करने से रोका था। उन्होंने इस जगह पर विरोध प्रदर्शन भी किया था और आने वाले समय में बांद्रा ईस्ट में भी बड़ा विरोध प्रदर्शन करने वाले थे। शाहिद बलवा ने संत ज्ञानेश्वर नगर की पुनर्विकास कंपनी में भारी निवेश किया था, यह उनका ड्रीम प्रोजेक्ट है। माना जा रहा है कि सिद्दीकी और उनके बेटे के कारण इस प्रोजेक्ट में रुकावट आ रही थी। शाहिद बल्वा 2जी स्पेक्ट्रम घोटाले के सबसे अहम किरदार माने जाते हैं तो उनका नाम अंडर वर्ल्ड डॉन दाउद इब्राहिम से भी जोड़ा जाता है। शाहिद बलवा डायनेमिक्स बल्वाज ग्रुप यानी डीबीग्रुप के को-फाउंडर और डीबी रियल्टी के प्रोमोटर हैं। शाहिद बलवा के दादा, परदादा हिन्दुस्तानी नवाबों के लिए मध्य पूर्व से अच्छे नस्ल के घोड़े मंगवाने का कारोबार करते थे। उनका परिवार रेस्तरां कारोबार से जुड़ा है और वह गुजरात से मुंबई आया। शाहिद बलवा के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने कॉलेज में ही पढ़ाई छोड़ दी। मुंबई के मरीन लाइंस में उत्तर भारतीय और चाइनीज खाने के लिए मशहूर बलवाज रेस्तरां शाहिद बलवा की ही हैं। सनद् रहे कि हत्या की जांच में जुटे अधिकारियों ने कहा कि इस मामले में यदि बिजनेस डेवलपर या व्यवसायी शामिल है, तो हम संबंधित व्यक्ति को जांच के लिए बुलाएंगे, लेकिन अभी हम हमलावरों की तलाश कर रहे हैं जो फरार हैं। एक अधिकारी ने कहा कि हम हर उस व्यक्ति को बुलाएंगे जिसका नाम हमलावरों की जांच में सामने आएगा।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या में वांछित संदिग्ध शूटर की मध्य प्रदेश में तलाश जारी है। अधिकारियों ने बताया कि मुंबई और मध्य प्रदेश पुलिस की संयुक्त टीमें उज्जैन और खंडवा में पूजा स्थलों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। सिद्दीकी की हत्या के एक दिन बाद मुंबई पुलिस की एक टीम मध्य प्रदेश पहुंची। यह टीम फरार शूटर शिव कुमार गौतम का पता लगाने के लिए मध्य प्रदेश में है। बाबा सिद्दिकी हत्याकांड में पुलिस ने अब तक तीन संदिग्धों हरियाणा निवासी गुरमेल बलजीत सिंह, उत्तर प्रदेश निवासी धर्मराज राजेश कश्यप और पुणे निवासी 'सह-साजिशकर्ता' प्रवीण लोनकर को गिरफ्तार किया है। संदिग्ध 'हैंडलर' मोहम्मद जिशान अख्तर भी मामले में वांछित है। उज्जैन और खंडवा प्रसिद्ध महाकाल और ओंकारेश्वर मंदिरों के लिए प्रसिद्ध हैं, जहां हर दिन हजारों श्रद्धालु आते हैं। उत्तर प्रदेश के बहराइच के रहने वाले आरोपी शूटर गौतम की तलाश में मुंबई पुलिस के साथ मध्य प्रदेश पुलिस भी शामिल है। यह पूछे जाने पर कि क्या भागा हुआ शूटर कोई धार्मिक व्यक्ति है, जो इन प्रसिद्ध मंदिरों में आ सकता है, एक पुलिस अधिकारी ने सीधा जवाब देने से बचते हुए कहा कि पुलिस अन्य स्थानों पर भी नजर रख रही है। खंडवा महाराष्ट्र के अमरावती और जलगांव से बहुत दूर नहीं है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुंबई पुलिस की एक टीम मध्य प्रदेश पुलिस के साथ मिलकर आरोपी (जो उत्तर प्रदेश के बहराइच का रहने वाला है) की तलाश कर रही है। पुलिस को संदेह है कि आरोपी मध्य प्रदेश में छिपा हो सकता है

और उसे मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले और ओंकारेश्वर (खंडवा जिले में) में खोजा जा रहा है। मुंबई पुलिस के मुताबिक, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के 66 वर्षीय नेता बाबा सिद्दीकी को मुंबई के बांद्रा इलाके के खेर नगर में उनके विध ायक बेटे जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के ठीक बाहर तीन लोगों ने घेर लिया और गोली मार दी। बाबा सिद्दिकी को लीलावती अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के एक सदस्य के उस सोशल मीडिया पोस्ट की प्रमाणिकता जांच रही है, जिसमें बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी ली गई है। अधिकारियों ने बताया कि अपराध शाखा इस हत्याकांड की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है, जिसमें सुपारी देकर हत्या कराया जाना, व्यावसायिक या राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता और झुग्गी पुनर्वास परियोजना को लेकर ध मकी शामिल है। मुंबई पुलिस ने 15 टीमें गठित की हैं, जिन्हें महाराष्ट्र से बाहर भेजा गया है।

बहरहाल, लॉरेंस बिश्नोई जो दाउद इब्राहिम के नक्शेकदम पर चल रहा है। बताया जा रहा है कि बाबा सिद्दीकी की हत्या के साथ मुंबई में एक बार फिर से अंडरवर्ल्ड लौट आया है। प्रेम और पतझड़ का महीना फरवरी और नाइंटीज के दौर की शुरुआत। इन्हीं खूबसूरत दिनों में पंजाब के फाजिल्का (अबोहर) में पुलिस विभाग में एक कॉन्सटेबल और उनकी पत्नी एक बच्चे को एक्सपेक्ट कर रहे थे। पढ़ी-लिखी गृहणी मां ने अपनी संतान के आने की खुशी में सारी तैयारियां कर रखी थीं। 22 फरवरी 1992 का दिन आया और उनके घर में एक बेटे का जन्म हुआ। बेटा इतना खूबरसूरत और रंग से इतना गोरा था कि मां ने उसका नाम लॉरेंस रखा। लॉरेंस एक क्रिश्चियन नाम है, जिसका मतलब होता है एक दम साफ और चमकता हुआ सफेद। उस मां को क्या मालूम था कि जिस बेटे का नाम वह 'सफेद' रख रही है, उसके कारनामे इतने 'काले' होंगे कि वह पूरे कुल पर दाग लगा देगा। यह परिवार बिश्नोई समुदाय से आता है, इसलिए उसका नाम हो गया लॉरेंस बिश्नोई। लॉरेंस इतना स्मार्ट, एक्टिव और स्पोर्टी था कि मां और पिता को लगता था कि वो स्पोर्ट्समैन बनेगा। खेल की दुनिया में अपना नाम करेगा। न सिर्फ मां-बाप बल्कि खेल में देश का भी नाम करेगा। लेकिन लॉरेंस बिश्नोई जुर्म की दुनिया का ऐसा नाम बन गया, जिससे कई राज्यों के लोग खौफ खाते हैं और कई राज्यों की पुलिस को उसने छका के रखा था। एक स्मार्ट नौजवान कैसे देखते ही देखते ऐसे कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई में तब्दील हो गया कि जेल में होने के बावजूद जुर्म की दुनिया में उसका सिक्का चलने लगा। अब वो जेल से ही अपने काले कारनामों को अंजाम देता है। हाल ही में सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद एक बार फिर से लॉरेंस बिश्नोई का नाम सामने आया है।

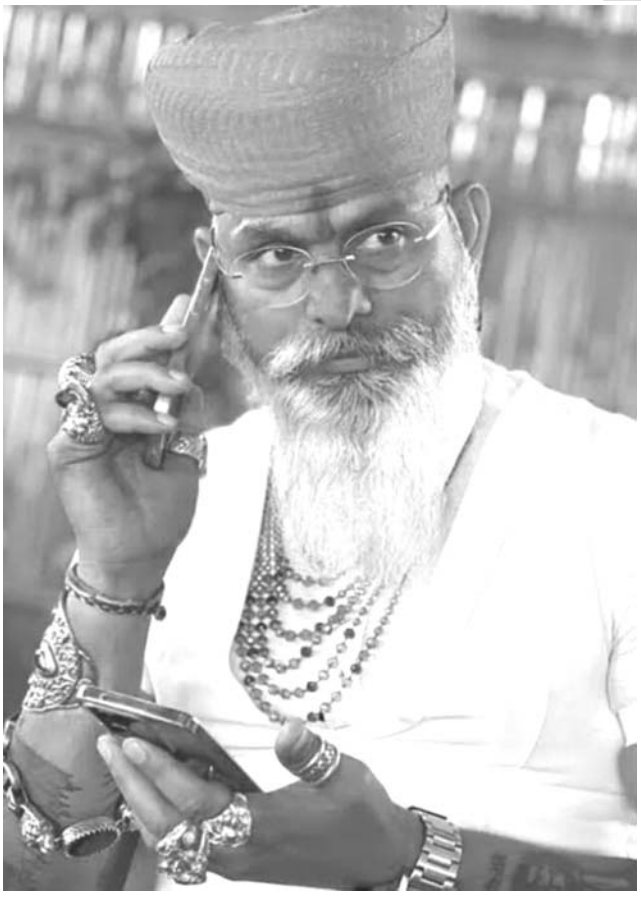

उत्तर भारतीय विकास सेना
National Regd. Political Party

उ.भा.वि.सेना

अधिक जानकारी के लिये Google करें ➡ Sunil Shukla

पंडित सुनील शुक्ला
राष्ट्रीय अध्यक्ष

श्री. संजय सघ्रा
राष्ट्रीय महासचिव
98196 57613

ॲड. सुरेश कनौजिया
राष्ट्रीय महासचिव
9820134199

मंजू तिवारी वारोट
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
7738669757

श्री. राजेश त्रिपाठी
राष्ट्रीय सचिव
9987340000

श्री. चंदन चतुर्वेदी
राष्ट्रीय युवा सचिव
9920997474

सेवा में,
दिनांक :१८/१०/२०२४
आदरणीय श्री लॉरेंस बिश्नोई,
साबरमती सेंट्रल जेल, सेंट्रल जेल रोड,
अहमदाबाद शहर-380027, गुजरात।

विषय: आदरणीय लॉरेंस बिश्नोई से महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लड़ने का अनुरोध .

आदरणीय महोदय,

हमें गर्व है कि आप पंजाब राज्य मे जन्मे उत्तर भारतीय हैं और हम "उत्तर भारतीय विकास सेना" के नाम से एक राष्ट्रीय और महाराष्ट्र राज्य पंजीकृत राजनीतिक दल हैं जो भारत मे उत्तर भारतीयों के अधिकार के लिए काम कर रहे हैं।

हम आप मे शहीद भगत सिंह को देखते हैं.

उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, बिहार, झारखंड, उत्तराखंड, उत्तराखण्ड और अन्य 5 उत्तर भारतीय राज्य से आने वाले उत्तर भारतीय जो महाराष्ट्र मे पैदा हुए और पले-बढ़े हैं, जो ओबीसी/एससी और एसटी हैं, उन्हें आरक्षण से केवल इस कारण से वंचित किया गया है क्योंकि उनके पूर्वज उत्तर भारतीय थे।

यदि भारत एक इकाई है तो हम इस अधिकार से वंचित क्यों हैं ?

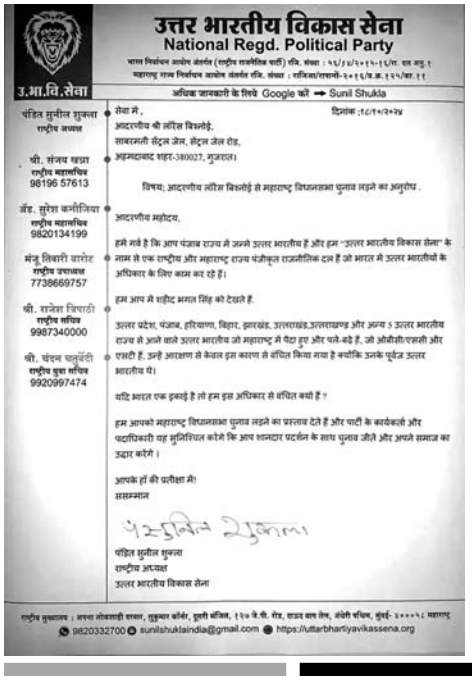

हम आपको महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लड़ने का प्रस्ताव देते हैं और पार्टी के कार्यकर्ता और पदाधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि आप शानदार प्रदर्शन के साथ चुनाव जीतें और अपने समाज का उद्धार करेंगे।

आपके हाँ की प्रतीक्षा में!
ससम्मान

पंडित सुनील शुक्ला
राष्ट्रीय अध्यक्ष
उत्तर भारतीय विकास सेना

9820332700 sunilshuklaindia@gmail.com https://uttarbhartiyavikassena.org

दिगर बात है एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी मर्डर केस के बाद से ही गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई चर्चा में बना हुआ है। एक ओर उसके गुर्गे सलमान खान को धमका रहे हैं तो करणी सेना ने उसके एनकाउंटर पर 1.11 करोड़ के इनाम का एलान किया है। इस बीच एक राजनीतिक दल ने लॉरेंस को चुनाव लड़ने का भी ऑफर दे दिया है। अब सवाल उठ रहा है कि गुजरात की जेल में बंद गैंगस्टर भी चुनाव लड़ेगा। करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज शेखावत ने एक बड़ा एलान करते हुए कहा कि वे गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का एनकाउंटर करने वाले पुलिसकर्मी को 1 करोड़ 11 लाख 11 हजार 111 रुपए का इनाम देंगे। सोशल मीडिया पर राज शेखावत का एक वीडियो भी सामने आया है। उन्होंने कहा कि हमारे अनमोल रत्न एवं धरोहर अमर शहीद सुखदेव सिंह गोगामेड़ी जी के हत्यारे लॉरेंस बिश्नोई का एनकाउंटर करने वाले पुलिसकर्मी को क्षत्रिय करणी सेना 1 करोड़ 11 लाख 11 हजार 111 रुपए प्रदान कर पुरस्कृत करेगी। साथ ही उस बहादुर पुलिसकर्मी के परिवार की सुरक्षा एवं संपूर्ण व्यवस्थाओं का दायित्व भी हमारा ही रहेगा। गौरतलब है कि करणी सेना के प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की 5 दिसंबर 2023 को जयपुर में हत्या कर दी गई थी। इस मामले में भी बिश्नोई गैंग का नाम आया था। कहा जा रहा है कि गोगामेड़ी हत्याकांड के बाद से ही करणी सेना लॉरेंस से नाराज है। दूसरी तरफ गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को उत्तर भारतीय विकास सेना पार्टी ने महाराष्ट्र से चुनाव लड़ने का ऑफर दिया है। पार्टी भारतीय निर्वाचन आयोग और महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग में रजिस्टर्ड है। पार्टी का कहना है कि हमारे कार्यकर्ता और पदाधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि आप शानदार प्रदर्शन के साथ चुनाव जीतें और अपने समाज का उद्धार करें।

भागवत ने हिन्दुओं के सशक्त और संगठित होने की बात क्यों की?

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ संगठन परिवार इस समय विश्व स्तर पर सबसे बड़े जन समूह और संगठनों वाला विचार परिवार है। संघ के सरसंघचालक का हर वक्तव्य उनके लिए मार्गदर्शन के समान होता है। विजयदशमी संघ की स्थापना का दिवस है। इस कारण भी नागपुर से दिए गए भाषण का सर्वाधिक महत्व हो गया है। पूरा संगठन परिवार ही नहीं हिंदुत्व और संस्कृति आधारित राष्ट्रवाद की विचारधारा को मानने वाले अलग-अलग समूहों एवं उनके विरोधी भी ध्यान से उस भाषण को सुनते हैं। ऐसा पहली बार देखा गया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं अपने एक्स हैंडल से डॉक्टर मोहन भागवत के भाषण के लिंक को रिपोस्ट किया और आग्रह किया कि इसे अवश्य सुना जाए। इस नाते भी इसका महत्व बढ़ जाता है। डॉ. भागवत विजयादशमी के हर भाषण के आरंभ में भारत एक राष्ट्र के

रूप में किस तरह सर्वांगीण उन्नति कर रहा है और विश्व में इसकी महिमा, प्रतिष्ठा और साख कैसे बढ़ी है इसकी आवश्यक चर्चा करते हैं। स्वाभाविक ही इससे स्वयंसेवकों एवं कार्यकर्ताओं तथा समर्थकों के अंदर भारत को लेकर सकारात्मक आत्मविश्वास की भावना सशक्त होती है। इस बार भी उन्होंने ऐसा ही किया।

आगे उन्होंने स्पष्ट किया कि इस विषय पर मैं बोलने नहीं जा रहा हूं क्योंकि इस समय भारत और विश्व के लिए चुनौतियां एवं खतरे ऐसे खड़े हुए हैं जिनको समझाना और उनका सामना करते हुए समाप्त करना और अपरिहार्य हो गया है। इसमें उन्होंने हिंदू समाज को ही स्वाभाविक रूप से केंद्र में रखा। इसका कारण वह लगातार बताते रहे हैं कि हिंदुओं का संस्कार, चरित्र,

जीवन मूल्य और जीवन दर्शन ही ऐसा है जिसमें संपूर्ण विश्व के समुत्कर्ष, कल्याण, शांति-सद्भाव के लिए जीने और काम करने का आधार होता है। इसलिए हिंदू संगठित रहें, खतरों के प्रति सतर्क और इसे समाप्त करने के लिए सक्रिय हों जिससे भारत एक राष्ट्र के रूप में अपने सही लक्ष्य को पहचानते हुए सशक्त रह पाएगा तभी यह संभव होगा। अगले दिन समाचार पत्रों की सुर्खियां बनी- श्डॉक्टर मोहन भागवत ने कहा कि हिंदुओं को समझना होगा दुर्बल व संगठित होना अत्याचार को निमंत्रण देना है।' अगर देखें तो निस्संदेह यह उनके भाषण का प्रमुख सूत्र था किंतु ऐसा उन्होंने क्यों कहा यह महत्वपूर्ण हो जाता है। अपने भाषण के अंत में उन्होंने नवरात्रि की चर्चा करते हुए बताया उस पंक्ति को देखिए। 'इसी साधना से विश्व के सभी राष्ट्र अपना-अपना उत्कर्ष याद कर नए सुख, शांति व सद्भावनायुक्त विश्व को बनाने में अपना योगदान करेंगे। उस साधना में आप सभी आमंत्रित हैं। उनकी उन्होंने एक गीत की पंक्ति दोहराई- हिंदू भूमि का कण-कण हो अब शक्ति का अवतार उठे, जल-थल से अंबर से फिर हिंदू की जय-जयकार उठे, जग जननी की जयकार उठे।श तो यह साधना कौन सी है?

नवरात्रि में देवी वास्तव में देवताओं के शक्तियों की पुंज थीं लेकिन शक्तिशाधना शील के साथ। इसीलिए उन्होंने कहा कि संघ की प्रार्थना में कोई परास्त न कर सके ऐसी शक्ति और विश्व विनम्र हो ऐसा शील भगवान से मांगा है। विश्व के, मानवता के कल्याण का कोई काम अनुकूल परिस्थिति में भी इन दो गुणों के बिना संपन्न नहीं होता। विश्व की मंगल साधना में मौन पुजारी के नाते संघ लगा है तो उसके पीछे यही सोच है। इसलिए दुर्बल और संगठित होने का अर्थ दूसरे को डराना या हमलावर होना नहीं बल्कि कल्याण के लिए शील संपन्न शक्ति साधना है। उनकी इस बात से हर भारतीय को सहमत होना चाहिए कि भारत विश्व में प्रमुखता पा रहा है तो ऐसी शक्तियां और देश हैं जिन्हें अपने निहित स्वार्थ पर खतरा नजर आता है और वह अनेक तरीकों से भारत को कमजोर और अस्थिर करने का प्रयास करते हैं। इसके दुनिया में उदाहरण है कि चाहे देश पर आक्रमण करना हो, लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकारों को अवैध अथवा हिंसक तरीकों से उलट देना हो, अंदर विद्रोह करना हो ऐसे प्रयास चलते रहे हैं और भारत के विरुद्ध चल रहे हैं। उन्होंने बांग्लादेश में हिंसक तख्तापलट की चर्चा करते हुए कहा कि हिंदू समाज पर जिस तरह अकारण नृशंस अत्याचार हुए उसके विरुद्ध हिंदू समाज संगठित होकर स्वयं बचाव में घर के बाहर आया इसलिए बचाव हुआ किंतु वह समाप्त नहीं हुआ है। इससे भारत की कई प्रकार के खतरे बढ़े हैं, इसलिए विश्व भर के हिंदुओं और भारत सरकार के सहयोग की अल्पसंख्यक हिंदुओं को आवश्यकता है। यहीं पर उन्होंने कहा कि असंगठित रहना व दुर्बल रहना यह दूसरों के द्वारा अत्याचारों को निमंत्रण देना है। चूंकि कि बांग्लादेश को पाकिस्तान में भी मिलने की बात हो रही है इसलिए यह सबसे बड़े चिंता का विषय है। दूसरे खतरे के रूप में उन्होंने डीप स्टेट, वोकिजम, कल्चरल मार्क्सिस्ट की चर्चा करते हुए कहा कि यह सभी सांस्कृतिक परंपराओं के घोषित शत्रु हैं और सांस्कृतिक मूल्यों, परंपराओं तथा जहां-जहां जो भी भद्र मंगल है उसका पूरी तरह नाश इनकी कार्य प्रणाली का अंग है। सच है कि देश में कृत्रिम तरीके से मांग, आवश्यकता अथवा समस्या के आधार पर अलगाव के लिए प्रेरित करते हैं, असंतोष को हवा देते हैं और शेष समाज से अलग व्यवस्था के विरुद्ध उग्र बनाते हैं। समाज में टकराव की संभावनाओं को ढूंढ कर टकराव खड़े करते हैं और इस तरह चारों ओर अराजकता और भय का वातावरण पैदा किया जाता है। बताने की आवश्यकता नहीं कि भारत में यह स्थिति हमारे चारों ओर है। दुर्भाग्य से सत्ता के लिए स्पर्धा में अनेक दलों ने यही पद्धति अपनायी और इसकी क्षति देश को हो रही है।

इसमें संस्कार युक्त परिवार और समाज परंपरा में दोष उत्पन्न हो गए हैं और हर स्त्री को माता के रूप में देखने का आचरण कमजोर हुआ है। इसके कारण बलात्कार और अन्य शर्मनाक घटनाएं हो रही है।

इसी में उन्होंने कोलकाता के आरजी कार अस्पताल की भी चर्चा की। इसको समाप्त करने के लिए परिवार, समाज तथा संवाद माध्यमों के द्वारा अपने सांस्कृतिक मूल्यों के प्रबोधन की व्यवस्था को जागृत करने पर उन्होंने बोल दिया। सीमा क्षेत्र से लेकर चारों ओर संकट खड़ा करने तथा बिना कारण कट्टरपन को उकसाने की घटनाएं हमारे सामने हैं जब हिंदू धर्म यात्राओं पर अकारण पथराव और हमले हो रहे हैं तथा बिना कारण हिंसा व भय पैदा करने की घटनाएं जिसे डॉक्टर भागवत ने गुंडागर्दी कहा और यही सच है। चूंकि यह योजनाबद्ध तरीके से हो रहा है इसलिए इसे तुरंत नियंत्रित करना, उपद्रवियों को दंडित करना प्रशासन का काम है लेकिन उन्हें हम तक पहुंचे से रोक कर अपने प्राण व संपत्ति की रक्षा का दायित्व तो समाज का ही है। लेकिन जब तक हिंदू समाज जातियों में बंटा रहेगा तब तक यह संभव नहीं होगा इसलिए।

मोहन भागवत की यह बात बिल्कुल उचित है कि समाज के सभी वर्गों में कुटुंबों की मित्रता होनी चाहिए, यह व्यक्तिगत तथा पारिवारिक स्तर पर हो तथा श्रद्धा के स्थल यानी मंदिर, पानी, श्मशान, समाज के सभी वर्गों को सहभागी होना ही चाहिए। जातियों के नेतृत्व करने वाले प्रमुख लोग आपस में मिल-बैठकर विचार करें तो सद्भावपूर्ण वातावरण बनेगा और समाज संगठित होगा तथा कोई कुचक्र सफल नहीं होगा। हम देख रहे हैं कि किस तरह जाति के आधार पर अलग-अलग विषय उठाकर समाज को खंडित करने की कोशिश हो रही है। इस तरह डॉ. भागवत ने भारत में व्याप्त सभी खतरों, उनके कर्म और यहां तक कि उनके निदान की भी बात की और अगर आपके अंदर कोई वैचारिक घृणा और दुराग्रह नहीं है तो इसे स्वीकार करना पड़ेगा। चाहे पर्यावरण पर संकट हो, ऋतु चक्र का परिवर्तन, स्वास्थ्य समस्या या समाज के अलग-अलग खतरे उन सबके लिए कुछ सूत्र निश्चित हैं। अपने संस्कारों का जागरण, एक समाज के नागरिक के नाते अनुशासनपरक सामाजिक व्यवहार, भारत एवं हिंदुत्व को लेकर स्व गौरव का भाव, भारत गौरव की प्रेरणा से अपना आचरण, विविधताओं को भेद न मानकर विशेषता मानना, उपभोग में संयम सहिष्णुता तथा दुर्भावना से परे रहना आदि की चर्चा उन्होंने की और इसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। यह सब किसी भी राष्ट्र के लिए परम सत्य हैं जो हमारे सह अस्तित्व तथा सहजीवन के रास्ते हैं। लेकिन दुर्बल की सत्यता, सहिष्णुता व मूल्यों की बात कोई नहीं सुनता। इसलिए अगर दुनिया में अंतरराष्ट्रीय व्यवहार में सद्भावना व संतुलन लाकर शांति और बंधुता की ओर बढ़ना है तो भारत को विशेषकर हिंदुओं को अपने को शक्तिशाली बनाए रखना होगा। बलहीन को कोई नहीं पूछता। इसीलिए उन्होंने संगठित होने की बात की तथा असंगठित होने को अत्याचार बताया।

Trudeau says India violated Canada's sovereignty, New Delhi call allegations 'preposterous'

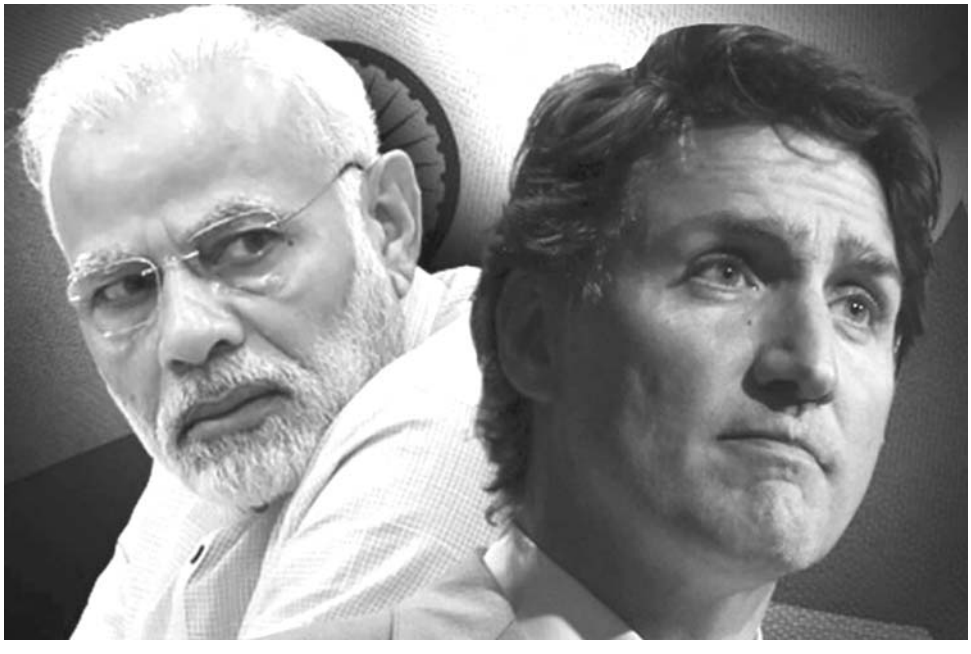

Canadian Prime Minister Justin Trudeau spoke at more length at a parliamentary inquiry on Wednesday about the diplomatic flare-up with India earlier in the week. Canada's police and government on Monday went public with more details in the dispute over an alleged murder of a Sikh independence activist on Canadian soil last year, in which Ottawa says agents of the Hindu nationalist government in New Delhi played a role. Ottawa said it asked six Indian diplomats to leave the country, although India later said it had recalled them out of fear for their safety, and India in turn gave Canadian diplomats days to leave.

What the Canadian PM said

Trudeau said Canada's national police force had publicized its allegations against Indian diplomats because it had uncovered a wider and ongoing pattern of violent acts in Canada that also include drive-by-shootings and extortion. "We had clear and certainly now ever clearer indications that India had violated Canada's sovereignty," Trudeau told an inquiry into alleged foreign interference. "We are not looking to provoke or create a fight with India," Trudeau said. "The Indian government made a horrific mistake in thinking that they could interfere as aggressively as they did in the safety and sovereignty of Canada. We need to respond in order to ensure Canadians' safety." The Canadian premier made the comments two days after Ottawa expelled six Indian diplomats, linking them to the murder of Sikh separatist and Canadian citizen Hardeep Singh Nijjar. The Royal Canadian Mounted Police (RCMP) said it had identified India's top diplomat in the country and five other diplomats as persons of interest, prompting the expulsions. Trudeau told the inquiry that he had been briefed on intelligence "that made it fairly clear, incredibly clear that India was involved in this killing, agents of the government of India were involved in in the killing of a Canadian on Canadian soil."

Trudeau says public allegations made as a last resort

Trudeau also said that his government had initially tried to keep the investigations private and had repeatedly reached out to India over a long period. His government could have gone public with the allegations as early as the 2023 G20 summit in India, Trudeau said, had Canada been seeking to embarrass or provoke India with this matter. That had been an opportunity to make a " big moment for India" into a "very uncomfortable summit" for the hosts, he said. "We chose to continue to work with India behind the scenes to try and get India to cooperate with us," he said, adding he raised the issue in direct talks with Prime Minister Narendra Modi. Thereafter, Trudeau said, the mood soured and only after repeated refusals to cooperate with the investigations did Canada start making some information public.

India's government calls allegations 'preposterous'

India on Monday dispute Canada's assertion that it had expelled the six diplomats, saying instead that it was withdrawing them from Canada because it was not confident that their safety could be

guaranteed. It said the allegations it was connected to the killing were "preposterous" and a "strategy of smearing India for political gains." India also said it had asked six Canadian diplomats to leave by Saturday. Canada's Sikh community is the largest outside India and is concentrated in electorally important suburban areas.

Previous round of diplomatic reprisals

India responded angrily to Trudeau's initial public allegation last year that New Delhi was involved in the murder. Nijjar was shot dead by two masked assailants as he left a Sikh temple near his home in Surrey, in the western province of British Columbia. In response to the allegation, India temporarily suspended visa services for Canadians, both countries expelled several of the other's senior diplomats. Relations had slowly improved until the latest round of expulsions. Nijjar, who moved to Canada in 1997 and became a citizen in 2015, had campaigned for a separate Sikh state, known as Khalistan, to be carved out of India. He was wanted by Indian authorities for alleged terrorism and conspiracy to commit murder.

Four Indian nationals living in Canada have been charged with Nijjar's murder and are awaiting trial.

'A democratic country going rogue'

DW spoke to Canadian lawyer Jaskaran Sandhu, a board member of the World Sikh Organization, who claimed India has become "a rogue state engaged in state-sponsored terrorism" in various Western countries. He alleged that criminal activities in the West can be traced back to India's Hindu nationalist Prime Minister Narendra Modi and his allies. "India has unleashed organized criminals and gangs in Canada to undermine the Canadian community, [against] Canada and the Sikh-Canadian diaspora with the intent of killing Sikh activists." "There's the West, which includes countries like the UK and the US; and then there's countries like Russia, China and Iran, which have historically acted in this nature, engaging in transnational repression and foreign interference." "This is India, a supposed democratic country, engaging in extrajudicial and extraterritorial violence against Canada… this is a democratic country going rogue."

Air Customs seizes smuggled 52 Green Iguanas, 4 Siamang Gibbons at Chennai airport, 2 held

Officials of the Customs Air Intelligence Unit (AIU) have seized exotic animals smuggled into India from a woman passenger who arrived from Kuala Lumpur in Malaysia at the Anna International Airport here and arrested her and another person who came to receive it. Acting on specific intelligence, the AIU officers intercepted a female Malaysian passenger and on examination of her baggage, they detected 56 Nos. of various wildlife species.

The Authorities from Wildlife Crime Control Bureau (WCCB) arrived at the airport to examine the wildlife species, which were identified and certified as 04 Nos Siamang Gibbon (Symphalangus syndactylus) (Endangered Species) and 52 Nos Green Iguana (Iguana iguana). In their swift follow-up action, the AIU Officers

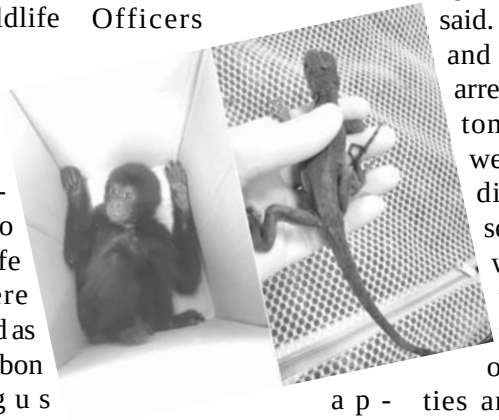

apprehended the person waiting to receive the smuggled exotic wildlife species for further investigation A PIB release said. Both the passenger and the receiver were arrested under the Customs Act, 1962 and were remanded in judicial custody. The seized exotic species were properly fed with food and water as per the advice of WCCB authorities and were deported back to their Country of Origin. Further investigation is under progress.

कानूनी सलाह

शिवानंद गिरि
(अधिवक्ता)
Ph.- 9308454485
7004408851
E-mail :-
shivanandgiri5@gmail.com

☆ क्या न्यायालय के खिलाफ पत्रिका या किसी भी मीडिया में समाचार छापना या दिखाना न्यायिक अवमानना का अपराध होता है?

न्यायालय अवमानना अधिनियम 1971 (कंटेंप्ट ऑफ कोर्ट 1971) की धारा 5 के अनुसार न्यायिक कार्य की उचित आलोचना अवमानना नहीं कहलाती है ।इस धारा के अनुसार कोई व्यक्ति किसी ऐसे मामले की जिसकी सुनवाई हो चुकी हो और उसमें न्यायालय द्वारा अंतिम रूप से फैसला दिया जा चुका हो उसके गुण अवगुण पर किसी उचित आलोचना का प्रकाशन करने या प्रसारण करने पर न्यायालय अवमानना का अपराध नहीं होता है कंटेंप्ट ऑफ कोर्ट के अपराध मे धारा 12 के अनुसार जो कोई व्यक्ति न्यायालय अवमानना का दोषी पाया जाएगा उसे सादे कारावास से जिसकी अवधि 6 माह तक की हो सकती है दंडित किया जा सकता है।

☆ क्या दो नपुंसको या दो पुरुषों या स्त्रियों के बीच किया गया विवाह वैध होता है?

दो नपुंसको के बीच किया गया विवाह शुन्य होता है यही बात दो पुरुषों के बीच या दो महिलाओं के बीच किया गया विवाह के ऊपर भी लागू होता है क्योंकि विवाह के लिए दो पक्ष कार होनी चाहिए जिनमें एक पक्षकार का पुरुष होना तथा दूसरे पक्षकार का स्त्री होना आवश्यक होता है इसलिए यदि दो पुरुष आपस में विवाह करते हैं तो वह विवाह शुन्य माना जाएगा या दो महिला आपस में विवाह करती है तो भी वह विवाह शुन्य होता है।

☆ क्या कोई हिंदू पत्नी अपने पति से अलग रहते हुए भी मेंटेनेंस का दावा कर सकती है ?

हिंदू दत्तक ग्रहण एवं भरण पोषण अधिनियम 1956 की धारा 18 दो में उन अवस्थाओं का वर्णन है जिनमें एक हिंदू पत्नी अपने पति से अलग रहते हुए भी भरण पोषण का दावा कर सकती है (1)यदि पति-पत्नी के अभित्याग का अपराधी हो अर्थात पति उचित कारण के बिना या बिना पत्नी की राय के या उसकी इच्छा के विरुद्ध उसे त्यागता है या उपेक्षा पूर्वक उसकी अवहेलना करता है (2) यदि पति ने इस प्रकार के निर्दयता का व्यवहार किया है जिससे उसकी पत्नी के दिमाग में युक्तियुक्त संदेह उत्पन्न हो जाए कि उसका पति के साथ रहना हानिकारक या घातक है(3) यदि पति कुष्ठ रोग से ग्रसित है (4) यदि पति की कोई दूसरी जीवित पत्नी है उस घर में जिसमें उसकी पत्नी रहती है उसी में रखैल रखता है या अन्यत्र कहीं उस रखैल के साथ प्राय: रहता है (5)यदि वह हिंदू धर्म त्याग कर कोई दूसरा धर्म अपना लेता है (6) यदि कोई अन्य कारण है जो उसके पृथक निवास को न्यायोचित ठहराता है। यहां त्याग तथा क्रूरता की स्थिति का निर्वचन उसी अर्थ में किया जाएगा जिस अर्थ में हिंदू विवाह अधिनियम 1955 की धारा 10 एवं 13 के अंतर्गत किया गया है उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के निर्णय से यह प्रतिष्ठित हो चुका है कि अभीत्याग के लिए पृथक निवास तथा वैवाहिक संबंध समाप्त करने का स्थाई आशय आवश्यक तत्व है और क्रूरता शारीरिक एवं मानसिक दोनों हो सकती है केरल उच्च न्यायालय की पूर्ण पीठ ने एक वाद मे सामाजिक दृष्टिकोण को अपनाते हुए महत्वपूर्ण निर्णय दिया कि जहां पति अभित्याग का दोषी है वहां यह साबित करना कि ही पर्याप्त होगा कि वह अलग रह रहा है (चारू बना क्रॉउन 1929)10 लाहौर 265) दत्तक ग्रहण अधिनियम और भरण पोषण अधिनियम ने पत्नी के पृथक निवास और भरण पोषण के अधिकार को विस्तृत कर दिया है। इस की धारा 18 (2) में ऐसी दशाओं का वर्णन किया गया है जिसके अनुसार एक हिंदू पत्नी अपने पति से अलग रहते हुए भी भरण पोषण प्राप्त करने का दावा कर सकती है।

भरण पोषण का अधिकार व्यक्तिगत होने से पत्नी अपने पति के जीवन काल में उसके किसी अन्य संबंधी को इस उपधारा के अधीन भरण-पोषण पाने के लिए तथा अलग निवास के अधिकार के लिए रखैल और पत्नी का उसी घर में रहने की बात साबित होना जरूरी है किंतु उपर्युक्त स्थिति में जब की रखैल उसी घर में रह रही है और पत्नी अलग हो गई है तो धारा 18(2) (7) के अधीन भरण-पोषण पाने की अधिकारी हो जाएगी(भद्रा रेड्डी वनाम शानमया ए आई आर 1987 कर्नाटक 209) नरेंद्र पाल कौर चावला बनाम मनजीत सिंह चावला एआईआर 2008 दिल्ली 07 के मामले में न्यायालय ने यह कहा कि जहां पति ने अपनी पत्नी के होते हुए दूसरी पत्नी से विवाह किया है और उसकी दूसरी पत्नी को इस बात की जानकारी नहीं थी कि उसके पति ने इस विवाह के पूर्व विवाह संपन्न किया है और और दूसरी पत्नी की है सिर्फ से वाह 14 वर्षों से लगातार उसके साथ निवास कर रही है जिसके परिणाम स्वरूप उससे उसको दो पुत्रियां उत्पन्न हुई उपरोक्त मामलों का अवलोकन करते हुए न्यायालय ने यह भी निर्धारित किया की दूसरी पत्नी हिंदू दत्तक ग्रहण एवं भरण पोषण अधिनियम की धारा 18 की उप धारा 2 के अंतर्गत उसकी पहली पत्नी के जीवित रहते रहने की अवस्था में भी वह अपने पति से भरण पोषण प्राप्त कर सकती है इस संबंध में न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि दूसरी पत्नी से इस विश्वास के साथ विवाह किया गया कि वह उससे पहली बार विवाह जब पत्नी की ओर से कोई वाद पृथक भरण पोषण के लिए न्यायालय में दायर किया जाता है तो न्यायालय कोई अधिकार है की पत्नी एवं पति के पारस्परिक संबंध के स्वीकृत हो जाने पर अंतरिम भरण-पोषण का प्रबंध कर दे मीना चोपड़ा बनाम दीपक चोपड़ा एआइआर 2002 दिल्ली के मामले में पति एक बहुत ही अमीर व्यक्ति था जो अनैतिक जीवन व्यतीत करता था विवाह उपरांत उसने अपनी पत्नी से विवाह विच्छेद कर लिया था पत्नी ने विवाह विच्छेद के पश्चात अपने भरण पोषण के लिए हिंदू दत्तक ग्रहण एवं भरण पोषण अधिनियम के अंतर्गत एक आवेदन न्यायालय के समक्ष दिया प्रस्तुत मामले में न्यायालय ने पति की स्थिति का अवलोकन करते हुए आदमी को अधिनियम की धारा 18 के अंतर्गत 20000 रूपया प्रतिमाह भरण पोषण हेतु देने का आदेश दिया।

☆ न्यायालय में झूठी गवाही देने पर कितने वर्षों तक की सजा हो सकती है?

अगर कोई गवाह जानबूझकर किसी न्यायिक कार्यवाही के किसी चरण में झूठा साक्ष्य देता है या किसी न्यायिक कार्यवाही के किसी चरण में उपयोग में लाए जाने के प्रयोजन से मिथ्या साक्ष गढ़ता है तो वैसे व्यक्ति को भारतीय दंड संहिता की धारा 193 के अनुसार 7 वर्षों तक की सजा हो सकती है साथ ही जुर्माने से भी दंडित किया जा सकता है यह एक असंगेय एवं जमानती अपराध होता है जिसका विचारण फर्स्ट क्लास जुडिशल मजिस्ट्रेट के द्वारा किया जाता है।

केवल सच
पत्रिका
परिवार की ओर से
समस्त पाठकों,
विज्ञापनदाताओं
एवं पत्रकारों
सहित देशवासियों को
दीपावली एवं
छठ पूजा की
हार्दिक शुभकामनाएँ।

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
(Serving nation since 1990)

WESTOCITRON
WESTOCLAV
WESTOFERON
WESTOPLEX
QNEMIC

AOJ
AZIWEST
DAULER
MUCULENT
AOJ-D
BESTARYL-M
GAS-40
MUCULENT-D

SEVIPROT
WESTOMOL
WESTO ENZYME
ZEBRIL

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
Industrial area, Fatuha-803201
E-mail- westerlindrugsprivatelimited@gmail.com
Phone No.:0162-3500233/2950008

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
Dispersing Happiness